दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

वर्चुअल मीटिंग्स के दौरान इन बातों ...8

बलरामपुर

शुक्रवार , 26 जून 2026

वर्षः 05 अंक : 265 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

संजय सिंह का बड़ा दावा: राम मंदिर जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को सौंपेंगे

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा है कि उनके पास अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित जमीन घोटाले के सबूत हैं और वे चंदे में हेराफेरी के मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को ये दस्तावेज सौंपने की योजना बना रहे हैं। गुरुवार को बोलते हुए सिंह ने कहा कि मेरे पास जमीन घोटाले से जुड़े कई सबूत हैं और मैं वे सभी दस्तावेज एसआईटी के सामने पेश करूँगा। अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अब तक कार्रवाई हो जानी चाहिए थी। एसआईटी को लिखे एक पत्र में, सिंह ने कहा कि कथित गबन से लाखों भक्तों की आस्था को ठेस पहुँची है। उन्होंने लिखा कि मैं आपका ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूँ कि अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट द्वारा किए गए घोटालों से देश भर के करोड़ों हिंदुओं की आस्था को गहरी चोट पहुँची है। हाल ही में, दान पेटी से करोड़ों रुपये की चोरी के मामले में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव, टिन्नू यादव और अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं।

इमरजेंसी के 50 सालः रविशंकर प्रसाद बोले

इंदिरा गांधी कुर्सी बचाने को लगाई थी इमरजेंसी

नई दिल्ली। गुरुवार को बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 1975 में लगाई गई इमरजेंसी का मकसद सिर्फ तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कुर्सी बचाना था। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे विवादित दौर में से एक के 50 साल पूरे होने पर उन्होंने यह बात कही। राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया से बात करते हुए प्रसाद ने कहा कि यह मौका इमरजेंसी के दौरान हुई घटनाओं की याद दिलाता है। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के 50 साल पूरे हो गए हैं। आज लोग देश में लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं और संविधान दिखाते हैं। आज, इन 50 सालों में, उनके असली चेहरे को बेनकाब करना जरूरी है कि 50 साल पहले क्या हुआ था। मैं श्रमिक आंदोलन का एक सिपाही था। मुझे इमरजेंसी के दौरान लड़ने का सौभाग्य भी मिला। इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया गया था। वह सुप्रीम कोर्ट गईं लगाया। उन्होंने कहा कि लेकिन उन्हें रोक (जंल) नहीं मिलीय कहा गया कि आप सदन में आ सकती हैं लेकिन बोल नहीं पाएंगी। इंदिरा गांधी को बचाने की कोशिश में इमरजेंसी का गलत इस्तेमाल किया गया। इमरजेंसी सिर्फ इंदिरा गांधी की कुर्सी बचाने के लिए लगाई गई थी। इससे पहले, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 25 जून, 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का ष्सबसे काला अध्यायष बताया और कहा कि इसने लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों को गहरा आघात पहुँचाया। केंद्र सरकार द्वारा श्संविधान हत्या दिवसश के तौर पर मनाए जा रहे इमरजेंसी के 51वें साल के मौके पर, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि उस दौर में नागरिक अधिकारों को दबाया गया, प्रेस की आजादी पर रोक लगाई गई और अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियां लगाई गईं।

प्रियांक खड़गे का तीखा हमला, पूछा- आरएसएस पर सवाल से क्यों तिलमिलाती है बीजेपी?

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को भाजपा का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह सिर्फ आरएसएस के इशारे पर काम करती है। खड़गे और आरएसएस के बीच आरएसएस के संवैधानिक और वित्तीय नियमों के पालन को लेकर स्पष्टता की मांग को लेकर खींचतान चल रही है। ग पर एक पोस्ट में खड़गे ने दावा किया कि जब भी कोई आरएसएस पर सवाल उठाता है, तो भाजपा अपना आपा खो देती है और फन फैलाकर पलटवार करती है। उन्होंने पूछा कि जिस संगठन का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं था, वह अब देश को देशभक्ति का पाठ क्यों पढ़ाता है, और नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराने में 52 साल क्यों लग गए? उन्होंने कहा कि इन दोनों ही सवालों पर भाजपा का रिएक्शन बचाव वाला होता है। खरगे ने कहा कि जब भी आरएसएस की जांच–पड़ताल होती है, तो भाजपा घबरा जाती है और हर बार बचाव की मुद्रा में आ जाती है। उन्होंने कई सवाल उठाए, जिन पर हमेशा ऐसी ही प्रतिक्रिया मिलती हैरू जैसे कि एक ऐसा संगठन, जो खरगे के दावे के मुताबिक आजादी की लड़ाई से दूर रहा, वह अब खुद को देशभक्ति का सबसे बड़ा पैरोकार क्यों बताता है? और आरएसएस के नागपुर मुख्यालय पर

पीएमओ के दखल के बाद भी राम मंदिर ट्रस्ट का इनकार, नहीं देंगे फाइनेंशियल रिकॉर्ड

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली शिकायत के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा मांगी गई विस्तृत वित्तीय जानकारी देने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, बीजेपी नेता रजनीश सिंह ने 9 जून को PMO को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की थी। शिकायत में राम मंदिर ट्रस्ट के बनने के बाद से आय और खर्च में पारदर्शिता की मांग की गई थी। साथ ही, मिले दान, बैंक अकाउंट के कामकाज, जमीन की खरीद–बिक्री और कुल संपत्ति का ब्योरा भी मांगा गया था।इसके बाद PMO ने यह मामला जिला प्रशासन को भेज दिया, जिसने ट्रस्ट से जरूरी जानकारी मांगी। हालांकि, खबरों के मुताबिक ट्रस्ट के सेक्रेटरी ने रिकॉर्ड शेयर करने से इनकार कर दिया। अपने जवाब में ट्रस्ट ने कहा कि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम पहले से ही औपचारिक जांच कर रही है और सभी जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड इकट्ठा कर रही है। इसलिए, इस स्टेज पर और जानकारी शेयर करना सही नहीं होगा। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 13 जून को गठित SIT ने इस हफ्ते की शुरुआत में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। मूल शिकायत में 'समर्पण निधि' अभियान के तहत जुटाए गए फंड का ब्योरा, सोने, चांदी और गहनों के रूप में मिले दान की जानकारी, साथ ही ट्रस्ट के बैंक अकाउंट स्टेटमेंट, वित्तीय लेन–देन और ऑडिट रिपोर्ट का खुलासा करने की भी मांग की गई थी।

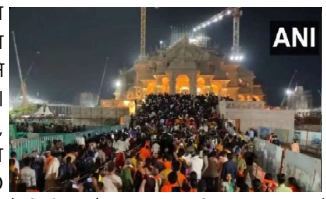

एसआईटी ने गड़बड़ियों की ओर इशारा किया

राम मंदिर में दान के पैसे के कथित गलत इस्तेमाल की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने उत्तर प्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) संजय प्रसाद को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सौंप दी है। खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान की गिनती और उसकी निगरानी के तरीके में गंभीर खामियों की बात कही गई है। सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में दान संभालने की व्यवस्था में खराब निगरानी और जवाबदेही में कमियों को लेकर चिंता जताई गई है। जांच के इस चरण में, एसआईटी ने इस मामले से जुड़े किसी भी व्यक्ति को क्लीन चिट नहीं दी है। जांच टीम ने इस बात की भी जांच की है कि दान की गिनती करने वाले कर्मचारियों का चयन कैसे किया गया। टीम ने इन लोगों और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के बीच संभावित संबंधों की भी जांच की है।

शिवराज सिंह चौहान के बेटे ने किया मानहानि केस तो राहुल गांधी ने जताया खेद, जानें पूरा मामला

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह से जुड़ी कथित मानहानि वाली टिप्पणी पर खेद जताते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया है। कार्तिकेय सिंह ने भोपाल की एक अदालत में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि 2018 में झाबुआ में एक चुनावी रैली के दौरान पनामा पेपर्स विवाद का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने उनका नाम लिया था, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा। बुधवार को अपने वकील के जरिए दायर अर्जी में गांधी ने कहा कि उनकी टिप्पणी कार्तिकेय सिंह के बारे में नहीं थी। शिकायत के बाद, भोपाल की अदालत ने गांधी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया। इसके बाद उन्होंने समन और मानहानि की कार्यवाही, दोनों को रद्द कराने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इस मामले की सुनवाई गुरुवार को जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल करेंगे। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट के निर्देशानुसार निचली अदालत के रिकॉर्ड पेश किए। शिकायतकर्ता की ओर से वकील संकल्प कोचर पेश हुए। यह मामला 2018 में झाबुआ में हुई एक चुनावी रैली के भाषण से जुड़ा है। आरोप है कि राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स विवाद का जिक्र करते हुए कार्तिकेय सिंह का नाम लिया था, जिससे उनकी बदनामी हुई। शिकायतकर्ता ने भोपाल की एक अदालत में मानहानि का केस दायर किया था। यह अदालत खास तौर पर सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई है। इसके बाद राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया गया।

पासपोर्ट बनवाना हो गया महंगा... नॉर्मल कैटेगरी 2,500 और तत्काल में 5,000

सरकार ने गुरुवार को लगभग 14 साल में पहली बार पासपोर्ट फीस बढ़ाई है। 1 जुलाई से नए पासपोर्ट की कीमत नॉर्मल स्कीम के तहत 2,500 रुपये और तत्काल स्कीम के तहत 5,000 रुपये हो जाएगी। यह नई फीस लिस्ट विदेश मंत्रालय (डम।) के उस स्पष्टीकरण के एक दिन बाद जारी की गई, जिसमें कहा गया था कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, न कि भारतीय नागरिकता का सबूत। नई दरों के तहत, 18 साल और उससे ज़्यादा उम्र के लोगों के लिए नया 36–पेज का पासपोर्ट या उसे दोबारा जारी करवाने का खर्च नॉर्मल स्कीम में 1,500 रुपये से बढ़कर 2,500 रुपये हो जाएगा, जबकि तत्काल फीस 3,500 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दी गई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियो की खैर नहीं, बंगाल, असम,गुजरात ने घुसपैठियों के खिलाफ अभियान और तेज किया

ढाका से लेकर गुवाहाटी और गुजरात तक फैले बांग्लादेशी घुसपैठ के जाल ने एक बार फिर देश की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीमा पर लगातार सख्ती के बावजूद घुसपैठियों के गिरोह नए रास्ते, नए दलाल और नए फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि अब यह केवल अवैध प्रवेश का मामला नहीं रह गया, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और कानून व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती बन चुका है। ताजा घटना की बात करें तो आपको बता दें कि बांग्लादेश ने फिर आरोप लगाया है कि भारतीय सीमा सुरक्षा बल ने नौ लोगों को बांग्लादेश में भेजने की कोशिश की। बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड ने दावा किया कि नौगांव के सपाहार सीमा क्षेत्र में तीन पुरुष, तीन महिलाएं और तीन बच्चों को जीरो लाइन के पास रोका गया। बांग्लादेशी बलों का कहना है कि उनकी कड़ी चौकसी के कारण इन लोगों को देश में घुसने नहीं दिया गया और वे सीमा पर ही फंसे रहे। इस पूरे मामले पर भारतीय पक्ष की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया, लेकिन यह घटना सीमा पर लगातार बढ़ रही हलचल को साफ दिखाती है।

अमेजन का भारत में रिकॉर्ड 48 अरब डॉलर का निवेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले– युवाओं के लिए खुलेंगे नए मौके

नई दिल्ली। अमेजन के रिकॉर्ड 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे पता चलता है कि दुनिया भर में भारत में निवेश करने में दिलचस्पी बढ़ रही है। यह बयान नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और अमेजन के सीईओ एंडी जैसी के बीच हुई एक हाई–लेवल मीटिंग के बाद आया, जिसमें इस बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी ने घोषणा की कि वह 2026 और 2030 के बीच भारत में 48 अरब डॉलर की पूंजी लगाएगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मिस्टर एंडी जैसी के साथ बहुत अच्छी मीटिंग रही। मैं भारत में अमेजन के रिकॉर्ड 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत करता हूँ। इससे हमारे युवाओं के लिए नए मौके बनेंगे। साथ ही, इससे पता चलता है कि दुनिया भर में भारत में निवेश करने में दिलचस्पी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री का यह पोस्ट अमेजन के सीईओ एंडी जैसी के उस पोस्ट के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कन्फर्म किया था कि अमेजन अगले पांच सालों में भारत में 48 अरब डॉलर का निवेश करेगा। एंडी जैसी ने लिखा था कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारत में अमेजन के भविष्य को लेकर हुई मीटिंग बहुत अच्छी रही। हम एक दशक से ज़्यादा समय से भारत में कस्टमर्स, सेलर्स, डेवलपर्स, स्टार्टअप्स और एंटरप्राइजेज को सर्विस दे रहे हैं और अभी तो बस शुरुआत ही हुई है। मैंने बताया कि हम अगले पांच सालों में 48 अरब डॉलर का निवेश कर रहे हैं, जिसमें एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में 21 अरब डॉलर से ज़्यादा का निवेश शामिल है। 2030 तक, हमारी योजना 38 लाख (3.8 मिलियन) नौकरियों को सपोर्ट करने, 80 अरब डॉलर के ई–कॉमर्स एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने और 1.5 करोड़ (15 मिलियन) छोटे व्यवसायों और 40 लाख (4 मिलियन) सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स तक एआई के फायदे पहुँचाने की है। भविष्य को लेकर उत्साहित हूँ। हम जो कुछ भी बना सकते हैं, उसके लिए अभी तो बस शुरुआत ही हुई है। जैसी ने आगे कहा हमने 2010 से भारत में 40 अरब USD का निवेश किया है। और फिर पिछले साल के आखिर में हमने घोषणा की थी कि हम 2026 और 2030 के बीच भारत में 35 अरब USD का और निवेश करेंगे। और आज हमने घोषणा की है कि हम उस रकम को 35 अरब से बढ़ाकर 2026 और 2030 के बीच कुल 48 अरब USD का निवेश करेंगे। इस बढ़े हुए फाइनेंशियल कमिटमेंट की मुख्य वजह डिजिटल इकॉनमी में बढ़ती मांग है, जिसके कारण कंपनी ने दशक के आखिर के समय के लिए तय शुरुआती 35 अरब च्नै के निवेश को बढ़ाकर और ज़्यादा रिसोर्स लगाने का फैसला किया है।

दुनिया भर में भारत में निवेश करने में दिलचस्पी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री का यह पोस्ट अमेजन के सीईओ एंडी जैसी के उस पोस्ट के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कन्फर्म किया था कि अमेजन अगले पांच सालों में भारत में 48 अरब च्नै का निवेश करेगा।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्यायः मुख्यमंत्री योगी

लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये की नकदरहित स्वास्थ्य सुविधा देने की घोषणा, राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की भी बनेगी व्यवस्था

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपातकाल की 51वीं बरसी पर कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटा, नागरिक अधिकारों को कुचला और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की मूल भावना पर प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की नई पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई बताना आवश्यक है, ताकि लोकतंत्र के महत्व और उसकी रक्षा के लिए किए गए संघर्षों को भुलाया न जा सके।मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ में आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' एवं 'लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया और उनके योगदान को लोकतंत्र की रक्षा का स्वर्णिम अध्याय बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार ने विपक्षी दलों, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों और लोकतंत्र समर्थकों की आवाज को दबाने का काम किया।

यूपी बीजेपी ने कसी चुनावी कमर

नई टीम में राजनाथ सिंह के बेटे और कई युवा चेहरे शामिल

लखनऊ। आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संगठन में एक अहम बदलाव करते हुए, भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने पंकज चौधरी के नेतृत्व में अपनी नई राज्य संगठन टीम की घोषणा की है। यह फैसला दिल्ली और लखनऊ में हुई कई अहम बैठकों के बाद लिया गया, जिनमें राज्य में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। इन नामों को ठश्रच के शीर्ष नेतृत्व ने मंजूरी दी। नई घोषित राज्य संगठन टीम, अहम विधानसभा चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर नेटवर्क को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को बेहतर बनाने की पार्टी की रणनीति को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश ठश्रच की ओर से जारी सूची के अनुसार, नई टीम में 19 उपाध्यक्ष और आठ महासचिव शामिल हैं। प्रमुख नियुक्तियों में, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को राज्य का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व मंत्री सुरेश राणा, अर्चना मिश्रा और पूजा पाल को भी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन में यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब BJP 2029 के लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने से पहले उत्तर प्रदेश के अहम विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। संजय राय को राज्य महासचिव नियुक्त गया है, जबकि बीजेपी क राजेश चौधरी को भी जिम्मेदारी दी गई है। जनता युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। अलग–अलग इलाकों और सामाजिक समूहों में संगठन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत, बीजेपी ने अभिजात मिश्रा, शंकर लोधी और दिलीप पटेल को भी राज्य महासचिव नियुक्त किया है। इसी के साथ, पार्टी

बहराइच में मतदाता सूची पर उठे सवाल, ग्राम प्रधान का नाम ही गायब

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के बीच रिसिया ब्लॉक की विशुनापुर ग्राम पंचायत की निर्वाचित ग्राम प्रधान रीता देवी का नाम मतदाता सूची से गायब मिलने का मामला सामने आया है। प्रधान ने जिलाधिकारी को शिकायत देकर मामले की जांच, जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई और अपना नाम सूची में शामिल कराने की मांग की है।बताया जा रहा है कि जिले के अन्य क्षेत्रों से भी मतदाताओं के नाम सूची से हटने की शिकायतें मिल चुकी हैं। इस घटना के बाद मतदाता सूची की शुद्धता और पुनरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि जब एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि का नाम ही सूची में नहीं है, तो आम मतदाताओं के नाम कटने की आशंका भी बढ़ जाती है। उन्होंने जिलेभर में मतदाता सूची की जांच कराने की मांग की है।मामला जिलाधिकारी के संज्ञान में पहुंच गया है। अब प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। यह प्रकरण मतदाता सूची की विश्वसनीयता और नागरिकों के मतदान अधिकार से जुड़ा अहम मुद्दा बन गया है।

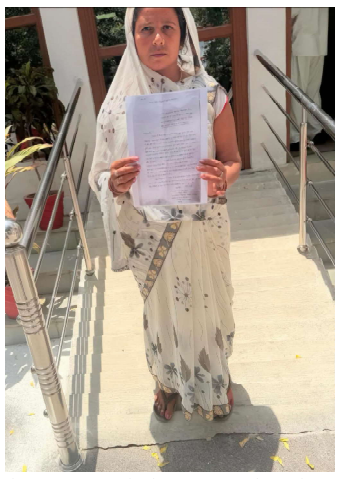

मोहर्रम को लेकर बहराइच पुलिस अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंदः एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए बहराइच पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार गश्त और सोशल मीडिया की निगरानी की जा रही है।पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मोहर्रम के .ष्टिगत सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया गया है। धर्मगुरुओं, ताजिया कमेटियों और आयोजकों के साथ संवाद स्थापित कर आपसी समन्वय को मजबूत किया गया है, ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।उन्होंने बताया कि जुलूस मार्गों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया है तथा आवश्यक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।एसपी ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना, अफवाह या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले पोस्ट प्रसारित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अफवाह या कानून–व्यवस्था से जुड़ी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।बहराइच पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी और शांति भंग करने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

बूथ स्तर पर होगा डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षित करेगी भाजपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, बस्ती संगठनात्मक रूप से अपने कार्यकर्ताओं को और अधिक मजबूत तथा तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस अभियान के तहत सभी बूथ स्तरों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से सभी सक्रिय बूथ सदस्यों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 6 जुलाई तक संचालित होगा। जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने बताया कि अभी कुछ ही दिन पहले भौतिक रूप से सभी मंडलों और जिला स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग का सफल समापन हुआ है। इस डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से अब बूथ स्तर के उन सभी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो किन्हीं कारणों से पिछले भौतिक प्रशिक्षण वर्गों में शामिल होने से छूट गए थे। प्रत्येक बूथ पर रहने वाले सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं और सदस्यों को भारतीय जनता पार्टी की आईटी टीम के विशेषज्ञ डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षित करेंगे। कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए ईसरल ऐप से जोड़ा जाएगा और इसके उपयोग का विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम में कार्यकर्ताओं को भाजपा के गौरवशाली इतिहास व परिचय, मोदी सरकार की प्रमुख लाभार्थी योजनाओं और ईनमो ऐप के संचालन के साथ–साथ भाजपा के प्रमुख संगठनात्मक कार्यक्रमों के विषय में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद सभी सक्रिय सदस्यों को डिजिटल क्रेडिट और एक विशेष प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात सभी कार्यकर्ता इस प्रमाण पत्र को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट भी करेंगे आगामी 28 तारीख को पार्टी द्वारा सभी बूथों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण के साथ होगी। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी बूथों पर सघन पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित होगी, जिसमें बूथ अध्यक्ष, क्षेत्र में निवास करने वाले पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और पन्ना प्रमुख अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक के साथ ही सभी लोग एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्मन की बातश कार्यक्रम को सुनेंगे।घ्इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए आगामी 2 जुलाई को विशाल जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है, जिसमें जिले के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

जर्जर विद्युत लाइन से निकली चिंगारी बनी आग का कारण, अग्निशमन टीम ने पाया काबू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिले के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भोला पुरवा गांव में जर्जर एलटी (लो टेंशन) विद्युत लाइन से निकली चिंगारी के कारण भीषण आग लग गई। आग लगने से गांव में अफरा–तफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुरानी और जर्जर विद्युत लाइन से अचानक निकली चिंगारी ने पास में बाग में लगी बांस की कोठ को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी।घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते की गई कार्रवाई से आग को आसपास के अन्य घरों और संपत्तियों तक फैलने से रोक लिया गया।हालांकि आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।ग्रामीणों ने क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों और खंभों को तत्काल बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि पुरानी विद्युत लाइनें लगातार हादसों को न्योता दे रही हैं और भविष्य में इससे बड़ा नुकसान हो सकता है।प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोन्डा। जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने तहसील तरबगंज अंतर्गत सकरौर–भिखारीपुर तटबंध तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों सनौली मोहम्मदपुर,गोडियन पुरवा एवं ऐलीपरसौली का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षा एवं बचाव तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम ने तटबंधों की स्थिति,संवेदनशील स्थलों,कटान प्रभावित क्षेत्रों तथा बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम से पूर्व सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए,ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में जनधन की हानि को रोका जा सके। उन्होंने तटबंधों की नियमित निगरानी करने तथा कमजोर स्थलों को चिन्हित कर तत्काल आवश्यक मरम्मत एवं सु.ढ़ीकरण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाढ़ चौकियों की स्थापना, राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्धता,नावों की व्यवस्था,आपदा प्रबंधन उपकरणों की स्थिति तथा आपातकालीन कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए तथा समय–समय पर आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही राहत शिविरों,पेयजल, खाद्यान्न एवं चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था, तथा पशुओं के लिए सभी व्यवस्थायें भी पहले से सुनिश्चित कर ली जाए। डीएम ने कहा कि जनसुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।सभी अधिकारी निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, उपजिलाधिकारी तरबगंज प्रदीप कुमार,एक्सईएन बाढ़ खण्ड जय सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला योजना अधिकारी पद पर चयनित प्रभात सिंह को व्यापारी समाज ने सम्मानित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भानपुर तहसील क्षेत्र के बडोखर गांव निवासी प्रभात सिंह के बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में पहले प्रयास मे जिला योजना अधिकारी/सहायक निदेशक योजना एंव विकास विभाग मे चयनित होने पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व मे व्यापारियों ने गुरूवार को उनके घर पहुंचकर उन्हे स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। सुरेश गुप्ता ने कहा कि प्रभात सिंह ने अपनी सफलता से पूरे क्षेत्र का सम्मान बढाया है।जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी। प्रभात सिंह ब्लाक प्रमुख रामनगर व पूर्व मे भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे यशकांत सिंह के सबसे छोटे पुत्र है। उनके परबाबा जयदत्त सिंह डुमरियागंज विधानसभा के पूर्व विधायक रहे है।परिवार की राजनीतिक और समाजसेवा की पृष्ठभूमि रही है।प्रभात ने उसको और आगे बढ़ाते हुए प्रशासनिक सेवा में भी अपना झंडा गाड़ा है।इस मौके पर व्यापार मंडल के सरंक्षक राधेश्याम अग्रहरि,कोषाध्यक्ष भागवंत गुप्ता,महामंत्री सुभाष सोनी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश पाण्डेय, ,सुरेश पाण्डेय ,अनिल पाण्डेय ,करुणाकर पांडेय ,वीर श्रीवास्तव,मोनू पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला योजना अधिकारी पद पर चयनित प्रभात सिंह को व्यापारी समाज ने सम्मानित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भानपुर तहसील क्षेत्र के बडोखर गांव निवासी प्रभात सिंह के बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में पहले प्रयास मे जिला योजना अधिकारी/सहायक निदेशक योजना एंव विकास विभाग मे चयनित होने पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व मे व्यापारियों ने गुरूवार को उनके घर पहुंचकर उन्हे स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। सुरेश गुप्ता ने कहा कि प्रभात सिंह ने अपनी सफलता से पूरे क्षेत्र का सम्मान बढाया है।जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी। प्रभात सिंह ब्लाक प्रमुख रामनगर व पूर्व मे भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे यशकांत सिंह के सबसे छोटे पुत्र है। उनके परबाबा जयदत्त सिंह डुमरियागंज विधानसभा के पूर्व विधायक रहे है।परिवार की राजनीतिक और समाजसेवा की पृष्ठभूमि रही है।प्रभात ने उसको और आगे बढ़ाते हुए प्रशासनिक सेवा में भी अपना झंडा गाड़ा है।इस मौके पर व्यापार मंडल के सरंक्षक राधेश्याम अग्रहरि,कोषाध्यक्ष भागवंत गुप्ता,महामंत्री सुभाष सोनी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश पाण्डेय, ,सुरेश पाण्डेय ,अनिल पाण्डेय ,करुणाकर पांडेय ,वीर श्रीवास्तव,मोनू पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ज्वाय इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम का सपा के युवा नेता ने किया फीता काट कर उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। जनपद के शहर क्षेत्र के सर्कुलर रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने गुरुवार को ज्वाय इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।शोरूम का उद्घाटन समाजवादी पार्टी युवा नेता सूरज सिंह ने फीता काटकर किया।

इस कार्यक्रम पर समाजवादी पार्टी के युवा नेता सूरज सिंह ने कहा कि बढ़ती पेट्रोल कीमतों को देखते हुए और पर्यावरण को बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक बाइक की मांग भी है तथा आमजन की आवश्यकता को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बाइक न केवल किफायती हैं,बल्कि प्रदूषण कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।ऐसे में ज्वाय इलेक्ट्रिक का यह नया शोरूम जनपद के लोगों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का बेहतर विकल्प उपलब्ध कराएगा।उद्घाटन समारोह में कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट ओम प्रकाश गुप्ता,डीलर राकेश कुमार अग्रवाल सहित देवेंद्र सिंह, मौसम गर्ग,यश गर्ग,आकाश गर्ग,अर्चित अग्रवाल, वंश अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, गौरव मोदनवाल, देवेश बंसल, प्रांशु नेवटिया, शिवम नेवटिया एवं शगुन रस्तोगी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने शोरूम का अवलोकन किया और ज्वाय इलेक्ट्रिक के विभिन्न मॉडलों की जानकारी प्राप्त की। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

खेत मे लगे कंटीले तार में प्रवाहित विद्युत करेंट के चपेट में आने से किसान की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। जनपद के कौड़िया थाना क्षेत्र कोटिया मदारा के राजस्व ग्राम मोहन टेपरा स्थित भुंडरियन पुरवा में गुरुवार की सुबह एक 52 वर्षीय किसान लल्लू की खेत में लगे कंटीले तारो में विद्युत करेंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार भुंडरियन पुरवा के रहने वाले लल्लू (52 वर्ष) पुत्र जगदीश रोजाना की तरह गुरुवार सुबह करीब 5 बजे अपने खेत की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। परिजनों ने बताया कि उनके खेत के पास ही स्थित एक दूसरे खेत में फसल को छुट्टा जानवरों से बचाने के लिए दद्दू पुत्र नान्हे द्वारा खेत के किनारे लगे लोहे के तारों में अवैध रूप से बिजली का करंट दौड़ाया गया था। खेत की रखवाली के दौरान लल्लू का पैर अनजाने में उसी करंट वाले तार से छू गया और मौके पर ही तड़प–तड़पकर उनकी मौत हो गई।जब काफी देर तक लल्लू घर वापस नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी खोजबीन शुरू की। ढूंढते हुए जब लोग खेत पर पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर पैरों तले जमीन खिसक गई। लल्लू का शव जमीन पर पड़ा हुआ था, जिसे देखते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। ग्रामीणों ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि खेतों में फसलों को बचाने के लिए इस तरह अवैध रूप से करंट दौड़ाना बेहद खतरनाक है और ऐसे लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में किसी और मासूम की जान न जाए। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

बहराइच में भीषण गर्मी और उमस का असर, स्कूलों का समय बदला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में लगातार बढ़ रही गर्मी, तापमान और उमस को देखते हुए स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनज़र प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) आशीष कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव कर दिया गया है।जारी आदेश के तहत जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा तथा अन्य बोर्डों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालय प्रातः 7.30 बजे से पूर्वाह्न 11.30 बजे तक संचालित किए जाएंगे।कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बहराइच द्वारा जारी पत्र संख्या बेसिक/1942–50/2026–27 दिनांक 25 जून 2026 के अनुसार यह निर्णय जिलाधिकारी की अनुमति के क्रम में लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि भीषण गर्मी और अत्यधिक उमस से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए यह व्यवस्था लागू की गई है।बीएसए ने सभी विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाध्यापकों एवं संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।इस संबंध में आदेश की प्रतिलिपि संबंधित विभागीय अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों तथा विद्यालयों को आवश्यक कार्रवाई एवं निगरानी के लिए प्रेषित कर दी गई है। बच्चों को पर्याप्त पानी पिलाएं, हल्के कपड़े पहनाएं तथा तेज धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचाएं।

बढ़नी चाफा में चौपाल: डीएम ने सुनीं जनसमस्याएं, योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा में गुरुवार को नगर की समस्या, नगर में समाधान कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी ''शिवशरणप्पा जीएन'' ने की, जबकि पूर्व विधायक ''राघवेंद्र प्रताप सिंह'' एवं मुख्य विकास अधिकारी ''बलराम सिंह'' विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और नगरवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।डीएम ने आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, वरासत और भूमि विवाद से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों का सत्यापन कर उन्हें सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए।पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी द्वारा जनसमस्याओं को सुनने और उनके समाधान का आश्वासन देने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत बनने के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी आई है और बड़ी संख्या में लोगों को आवास सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है।मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि चौपाल के माध्यम से लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ–साथ उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने नगर के विकास कार्यों और योजनाओं के लाभों की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

चिल्हिया पुलिस ने देशी शराब की दुकान में हुई चोरी का किया खुलासा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। चिल्हिया पुलिस ने गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई एक पेटी देशी शराब, एक स्कैनर/पास मशीन तथा एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक बीते 21 जून की रात गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर तीन पेटी देशी शराब और एक स्कैनर/पास मशीन चोरी कर ले गया था। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चिल्हिया में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम घटना के खुलासे में जुटी हुई थी। बुधवार देर रात गौरा बाजार क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के

दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल व्यक्ति मंझरिया और गौरा बाजार के बीच स्थित पुलिया के पास शराब लेकर जा रहा है। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सिकन्दर पुत्र स्वर्गीय दुख्खी निवासी गौरा बाजार, थाना चिल्हिया के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पेटी देशी शराब, एक स्कैनर/पास मशीन तथा एक हजार रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में उसने चोरी की घटना को स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी की गई दो पेटी शराब वह पहले ही बेच चुका है और बरामद नकदी उसी बिक्री की रकम है। शेष शराब बेचने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया है। घटना के खुलासे में उपनिरीक्षक सुधाकर राय, उपनिरीक्षक विन्ध्यांचल प्रसाद, मुख्य आरक्षी अमृत नायक, आरक्षी पंकज यादव, आरक्षी अभय सिंह तथा आरक्षी अर्पित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिद्धार्थनगर में 46 यूपी बटालियन का CATC–156 शिविर शुरू, 600 कैडेट शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 46 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC–156) का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। शिविर का आयोजन सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, मशीना, सिद्धार्थनगर में किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन एवं संबोधन कमांडिंग ऑफिसर मेजर रितु राज सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स, पीआई स्टाफ, सिविलियन स्टाफ तथा लगभग 600 एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन संबोधन में मेजर रितु राज सिंह ने कैडेटों को अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रसेवा एवं व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने कैडेटों को शिविर के प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र का अधिकतम लाभ उठाने तथा एनसीसी के आदर्शों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरुआत प्रातःकालीन शारीरिक प्रशिक्षण से हुई, जिसमें कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके उपरांत हथियार प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया, जहां कैडेटों को .22 राइफल के विभिन्न भागों, उसकी कार्यप्रणाली तथा सुरक्षित संचालन के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान कैडेटों को .22 राइफल का प्रथम–हस्त अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे उनमें हथियार संचालन के प्रति व्यावहारिक समझ विकसित हुई। दिन के अंत में कैडेटों की रोल कॉल आयोजित की गई, जिसमें उपस्थिति की जांच के साथ–साथ उन्हें आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं शिविर अनुशासन संबंधी आवश्यक निर्देश भी दिए गए। शिविर के सफल संचालन हेतु एएनओ, पीआई स्टाफ एवं सिविलियन स्टाफ द्वारा समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी दिनों में कैडेटों को ड्रिल, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, व्यक्तित्व विकास एवं अन्य सैन्य विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

शोहरतगढ़ में मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर सपा का अभियान, 6000 से अधिक फर्जी व डुप्लीकेट नाम होने का दावा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 302 शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी ''उग्रसेन सिंह 'शोहरतगढ़''' के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का दावा किया गया है। उग्रसेन सिंह ने आरोप लगाया कि विधानसभा क्षेत्र के सभी 452 बूथों के सत्यापन में लगभग 6000 से अधिक डुप्लीकेट, फर्जी, अनुपस्थित, शिफ्ट और लापता मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज पाए गए हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे नामों को तत्काल हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध किया जाए, ताकि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। सपा नेताओं के अनुसार कई बूथों पर एक ही मतदाता का नाम एक से अधिक बार दर्ज मिला है। बूथ संख्या 142, 143, 21, 27, 29, 30 और 31 सहित कई केंद्रों पर कथित रूप से मतदाताओं के नामों की पुनरावृत्ति और एक से अधिक बूथों पर पंजीकरण के मामले सामने आए हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इन मामलों के साक्ष्य एकत्र कर संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराने की बात कही है। इस मुद्दे पर आयोजित समीक्षा बैठक में विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायण यादव, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, जिला सचिव रामू यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सेक्टर प्रभारी, बूथ प्रभारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उग्रसेन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कथित फर्जी और डुप्लीकेट नामों को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को निर्वाचन आयोग और जनआंदोलन के माध्यम से उठाएगी। हालांकि, मतदाता सूची में अनियमितताओं के संबंध में निर्वाचन विभाग या जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसलिए इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि होना शेष है।

महुलानी में मिशन शक्ति चौपाल, महिलाओं को साइबर अपराध और सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के ग्राम महुलानी में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह एवं थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने गांव की महिलाओं से संवाद स्थापित किया। टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना की स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। चौपाल के दौरान महिलाओं को बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यरत हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, लेकिन किसी ने भी कोई शिकायत नहीं बताई। मिशन शक्ति टीम ने महिला अपराधों की रोकथाम एवं त्वरित सहायता के लिए जारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। इनमें 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 101 अग्निशमन सेवा, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन प्रमुख रूप से शामिल हैं। साथ ही महिलाओं को नए कानूनों और साइबर ठगी से बचाव के उपायों के बारे में भी अवगत कराया गया।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक जियाउल्लाह, उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, महिला आरक्षी अंजली यादव एवं महिला आरक्षी संगीता उपस्थित रहीं।

फर्जी बैनामा कर जमीन हड़पने के आरोप में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। भूमि के कथित फर्जी बैनामे के जरिए जमीन हड़पने के आरोप में कोतवाली बांसी पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई खेसरहा थाना क्षेत्र की एक वृद्ध महिला की शिकायत पर की गई है। ग्राम भलुहा–खेसरहा निवासी सुधना (71 वर्ष) पत्नी स्वर्गीय रामेन्द्र यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनके पति की मृत्यु के बाद उनकी तीन पुत्रियां हैं तथा कोई पुत्र नहीं है। आरोप है कि कुछ लोगों ने उनकी पुत्रियों के नाम पर फर्जी तरीके से भूमि का बैनामा तैयार करवा लिया। पीड़िता के अनुसार आरोपितों ने उन्हें यह कहकर तहसील बुलाया कि जमीन उनकी पुत्रियों के नाम दर्ज करानी है। इसी बहाने उनसे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करा लिए गए। बाद में उन्हें जानकारी हुई कि उनकी भूमि का बैनामा कर दिया गया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बैनामे में उनकी पुत्रियों के नाम गलत दर्ज किए गए तथा एक पुत्री के नाम पर किसी अन्य महिला को खड़ा कर दस्तावेज तैयार कराया गया। पुलिस ने मामले में एफआईआर संख्या 0118/2026 दिनांक 24 जून 2026 को दर्ज की है। मुकदमे में सदावृक्ष यादव, रामवृक्ष यादव, रामचंद्र यादव पुत्र बुद्धिराम यादव, फूलवती पत्नी रामचंद्र यादव (सभी निवासी ग्राम कुर्थिया–खेसरहा, थाना खेसरहा) तथा रामधनी यादव पुत्र सोमनाथ यादव और बाबूराम यादव पुत्र रामकन्हई (निवासी गौरागढ़, थाना शिवनगर, जनपद सिद्धार्थनगर) को नामजद किया गया है। अभियुक्तों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र), 318(2) (धोखाधड़ी), 336(3) (जालसाजी), 338 (जाली दस्तावेज का उपयोग) एवं 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाली प्रभारी मृत्युंजय पाठक के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक शम्स जावेद खान को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्र उपस्थिति बढ़ाने पर बीईओ ने दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। ब्लॉक संसाधन केन्द्र उस्का बाजार पर परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की एक आवश्यक समीक्षा बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अशोक कुमार सिंह ने की। इस दौरान विद्यालयों में शैक्षणिक सुधार और विभागीय प्राथमिकताओं को समय से पूरा करने को लेकर कड़े निर्देश दिए गए।खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सभी शिक्षकों का मुख्य दायित्व है, इसमें लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। विद्यालयों में छात्रों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर बल देते हुए उन्होंने शिक्षकों को अभिभावकों से निरंतर संवाद करने के निर्देश दिए। बैठक में निपुण तालिका और असेसमेंट ट्रैकर को समय से भरने व अपडेट रखने के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया गया कि वे शिक्षक संदर्शिका के अनुसार ही कक्षाओं में शिक्षण कार्य कराएं और नियमित रूप से शिक्षक डायरी भरना सुनिश्चित करें। बीईओ ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनके स्तर पर कोई भी कार्य लंबित नहीं रहेगा। बैठक में शिवकुमार शुक्ला,रूपेश सिंह, अभय श्रीवास्तव, बाल गोविंद पटेल, शिवाकांत दूबे, गुलाब चंद,शिवपाल सिंह, आशुतोष उपाध्याय, अंकिता सिंह, शैलेश साहनी, जितेंद्र पांडेय, वंदना शुक्ला, रामलौटन यादव, प्रियंका चौधरी,आकाश यादव, उपेंद्र पाठक, अरविंद श्रीवास्तव सहित समस्त प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इटवा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी हनीफ उर्फ जल्ले निवासी चौबेपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की और बाद में न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इसकी जानकारी प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र ने दी।

जमीन कब्जाने व मारपीट का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा। अतरमू नानकार गांव की निवासी विधवा महिला ऊषा ने गांव के कुछ लोगों पर जमीन कब्जाने, मारपीट करने और मकान की दीवार गिराने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़िता के अनुसार वह मकान की छत का निर्माण करा रही थी, तभी कुछ लोग पहुंचे और दीवार गिराकर अभद्रता की तथा जान से मारने की धमकी दी। महिला का कहना है कि 112 पर सूचना देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने एसपी से न्याय की मांग की है।

सम्पादकीय

मानसून के व्यवहार में लगातार अनिश्चितता को देखते हुए देश के नीति–निर्माताओं को खेती संरक्षण के लिये एक ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत है, जो मौसम के बदलावों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके। तभी हम भविष्य की अनिश्चितताओं का सही तरीके से सामना कर सकेंगे। साथ ही हमें देश में पानी के सदुपयोग की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है...

मुकाबले को युद्ध स्तर पर हो तैयारी

दक्षिण–पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल–फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने–पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज–उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल–टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय–समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिर्वतन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म–सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है। लेकिन हमें लाखों किसानों का जीविका संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश में मौसम के मिजाज में होने वाला बदलाव अब कभी–कभार की बाधा नहीं रही, बल्कि बार–बार होने वाली सच्चाई बन गया है। मानसून के व्यवहार में लगातार अनिश्चितता को देखते हुए देश के नीति–निर्माताओं को खेती संरक्षण के लिये एक ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत है, जो मौसम के बदलावों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके। तभी हम भविष्य की अनिश्चितताओं का सही तरीके से सामना कर सकेंगे। साथ ही हमें देश में पानी के सदुपयोग की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है। देश में जलाशयों के जल का किफायती उपयोग हो। निस्संदेह, कम बारिश से केवल किसान व ग्रामीण अर्थव्यवस्था ही प्रभावित नहीं होती है, सूखे में खाद्यान्न की उत्पादकता घटने पर अनाज महंगा होने से आम आदमी का जीवन भी बाधित होता है। जिससे किसान की ही नहीं, पूरे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

पैसा और पॉवर मगर औकात सच बोलती है

पॉवर और पैसा आदमी को बड़ा नहीं बनाते, केवल उसके भ्रम का आकार बढ़ा देते हैं। हरियाणा में कहावत है भैंस के सींग दिख जाते हैं, सत्ता के सींग दिखाई नहीं देते... पर मार दोनों की बराबर पड़ती है। एक चौधरी के हाथ पहली बार सौ रुपये का नोट लगा तो सीधा गांव के बनिये की दुकान पर पहुंच गया। चौधरी ने पूछा कि उसके पास भी सौ रुपये का नोट है? बनिया घबरा गया। उसने झट से अपनी तिजोरी बंद की और सावधानी से बोला, हां चौधरी, मेरे पास तो सौ के कई नोट हैं। चौधरी ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा और पूछने लगा कि इतणे सारे नोटां के होते होये भी तू चुपचाप बैट्ठा सै? मेरे धोरै तो एक्कै नोट आया सै, अर जी कर र्ध्या सै किसी का सिर फोड़ दूं! पैसा और पॉवर हैं ही ऐसी चीज। इतिहास गवाह है कि पॉवर पाना कठिन अवश्य है पर उससे कहीं अधिक कठिन है उसे पचाना। इसीलिये कहा जाता है कि लोकतंत्र में कुर्सियां बदलती रहनी चाहिए क्योंकि कुर्सी पर जमी धूल से ज्यादा खतरनाक उस पर जमी हुई अकड़ होती है। पॉवर और पैसा आदमी को बड़ा नहीं बनाते, केवल उसके भ्रम का आकार बढ़ा देते हैं। हरियाणा में कहावत हैकृ भैंस के सींग दिख जाते हैं, सत्ता के सींग दिखाई नहीं देते... पर मार दोनों की बराबर पड़ती है। पैसा आते ही कई लोगों का हाल उस बछड़े जैसा हो जाता है जो पहली बार सींग निकलते ही समझने लगता है कि सारे खेत का मालिक वो ही है। कुर्सी मिली ना, अर चाल ऐसी बदल ली जैसे दिल्ली का लाल किला भी बाप–दादा की जागीर हो। कहते हैं कि जितनी चादर हो उतने पैर पसारो पर सत्ता आने पर आदमी अपनी चादर छोड़ कर पड़ोसी के बिस्तर में भी पैर पसारने लगता है। मुझे तो लगता है कि पॉवर चीज ही ऐसी है कि खूंटी पै टंगी लाठी भी खुद को चौधरी समझने लगती है। आजकल सौ रुपये के नोट की जगह पॉवर ने ले ली है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब नोट जेब में नहीं, पद जेब में रखा जाता है। किसी को वार्ड का प्रधान बना दो, उसकी चाल बदल जाती है। किसी को समिति का सदस्य बना दो, फोन उठाने का अंदाज बदल जाता है। किसी को बोर्ड का चेयरमैन बना दो, उसे लगता है संविधान उसी की जेब में रखा है। कोई मंत्री बन जाए तो उसे ट्रैफिक का लाल सिग्नल भी अपनी इज्जत के खिलाफ लगता है। कुर्सी चाहे चार पैरों पर खड़ी होती है पर उस पर बैठते ही कई लोगों के दोनों पैर जमीन से उठ जाते हैं।

आधुनिक तकनीक और मजबूत इरादे रोकेंगे घुसपैठ

सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्धस्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये। पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर ...

गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बहुत लंबी हैं और वे छह देशों से लगी हुई हैं। इनमें कई जगहों पर सेना तथा अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। जैसे कि पाकिस्तान से लगती सीमा। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा 3,323 किलोमीटर लंबी है और इसकी देखभाल के लिए मुख्य तौर पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है और जहां जंग जैसे हालात हैं वहां भारतीय सेना अपनी पूरी क्षमता के साथ तैनात है । लेकिन पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश सीमा एक सिरदर्द बन गई है क्योंकि वहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने लगी थी। लाखों की तादाद में घुसपैठिये भारत में खासकर बंगाल और असम में आ घुसे। इन्हें रोकना एक चुनौती रही क्योंकि भारत–बांग्लादेश की सीमा बहुत लंबी यानी 4096 किलोमीटर की है जो पांच राज्यों को छूती है। इनमें कई जगहों पर न तो बाड़ है और न ही तार। इसका फायदा उठाकर घुसपैठिये भारत में आसानी से घुसते रहे हैं। अब जबकि बंगाल में भाजपा आ गई है तो सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। बंगाल की तत्कालीन सरकार ने घुसपैठियों को रोकने तथा देश की रक्षा के इस महती प्रयास में जरा भी साथ नहीं दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि उन इलाकों में स्थानीय लोगों की तुलना में बाहरी

लोग खासकर बंगाल में बांग्लादेशी बहुत बड़ी संख्या में बढ़े हैं। जनसंख्या में यह भारी बदलाव देश की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा बनकर उभरा है। घुसपैठियों के आने से कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं और एक खास समुदाय के लोगों की आबादी अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है। दरअसल, जनसंख्या में यह बदलाव स्वाभाविक नहीं है बल्कि जानबूझकर और एक रणनीति के तहत अवैध ा तरीके से हुआ है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इस मुद्दे को गृह मंत्रालय ने प्रमुखता से न केवल उठाया बल्कि इसके समाधान के लिए भी बड़े कदमों की घोषणा की तथा उन्हें कार्यान्वित करवाना शुरू कर दिया है। इसके लिए पारंपरिक तरीकों की बजाय डिजिटल टेक्नोलॉजी और कुशल मैनेजमेंट प्रणाली का सहारा लिया जायेगा ताकि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वालों को निकाल बाहर किया जाये। इसी कड़ी में देश की सीमाओं को पक्का करने के लिए घोषणा की गई है कि एक देशव्यापी स्मार्ट बोर्डर प्लान परियोजना एक वर्ष में आरंभ की जायेगी। इसके जरिये सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत किया जायेगा बल्कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ताकि सीमा पार से घुसपैठ पर अंकुश लगे। इसके तहत गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। इनकी मदद से दूर बैठकर ही जाना जा सकेगा कि कहां की सीमा पर खतरा है या कहां से घुसपैठ हो रही है। इससे हमारे सशस्त्र बलों को बहुत सुविधा होगी। उनके दिन–रात गश्त के बावजूद घुसपैठिये अपना काम कर जाते हैं लेकिन अब यह नहीं हो सकेगा। आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन आकाश से आसानी से निगरानी कर सकेंगे और रडार चेतावनी देंगे। बंगाल की नई सरकार ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के पास 120 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दे दी है। वहां की पिछली सरकार ने अदालत के आदेश के बावजूद उस जगह को देने से इनकार कर दिया था। इस जगह को सिलीगुड़ी कॉरिडर कहा जाता है और शत्रु देश इसमें भारी घुसपैठ करके भारत के पूर्वोत्तर को उससे अलग कर सकता है। बांग्लादेश की भारत से लंबी सीमा में से अभी 600 किलोमीटर बिना बाड़ या किसी तरह के फेंस की थी। इस गैप को बंद करने के पीछे सीमा में अवैध घुसपैठ, तस्करी, पशुओं की चोरी, अवैध धंधे वगैरह पर अंकुश लगाना है। कुछ इलाकों में तो बांग्लादेश के निवासियों ने बाड़ लगाने के काम का पुरजोर विरोध भी किया और वहां के अर्धसैनिक बल ने भी उनका साथ दिया लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सख्ती के कारण उनकी एक न चली और कंटीली तारें लगाने का काम जोर–शोर से चल रहा है। सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्धस्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये। पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर अवैध घुसपैठिये की पहचान करेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जो भारत में रह रहे हैं।

अल्फा जेनरेशन को भाती है अपनी कल्पना की उड़ान

राष्ट्रपति भवन में भी कहानी सुनाते वक्त ऐसा अनुभव हुआ। यद्यपि कोई भी कहानी ऐसी नहीं होती, जिसमें बच्चों के लिए कोई संदेश न छिपा हो। लेकिन उन्हें सीधे–सीधे संदेश देने से बचा जाता है। ये कहानियों की बुनावट के अंदर ही होने चाहिए। इन दो दिनों में पहले दिन जब एक यथार्थवादी कहानी, जिसमें एक घायल बिल्ली के बच्चे की मदद और पर्यावरण तथा पानी की कमी की बात की ...

जिस अल्फा जेनरेशन के ये बच्चे हैं, वे यथार्थवादी कहानियों के मुकाबले, वे कहानियां सुनना, सुनाना चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने कल्पना के घोड़े दौड़ाने का भरपूर मौका मिले। जहां उनकी कल्पना की राह में कोई रोड़ा न अटका हो, जिनमें भरपूर एक्शन, एडवेंचर हो। ऐसी बातें हों, जो कभी देखी, सुनी न हों। पिछले दिनों राष्ट्रपति भवन में दो दिन बच्चों को कहानी सुनाने और उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला। अक्सर ऐसे कार्यक्रमों में जाना होता है जहां बहुत से बच्चे होते हैं, जिनमें दो–तीन साल के शिशु से लेकर चौदह–पंद्रह साल के बच्चे शामिल हैं। उनसे खूब बातें होती हैं। उनके साथ खेलना होता है। वे क्या पढ़ते हैं, इस बारे में भी अवश्य पूछती हूं। ये वे बच्चे हैं, जिनके माता–पिता युवा हैं। इनमें से भी बहुतों को कहानियां सुनाई हैं। आज उनके बच्चे सामने हैं, जिन्हें अल्फा जेनरेशन कहा जाता है। इस पीढ़ी के बारे में मशहूर है कि यह तो मोबाइल फोन ही हाथ में लेकर जन्मी है। यानी कि कोई भी सूचना इनके लिए नई नहीं है। जब हैरी पॉटर ने धूम मचाई थी, उस समय एक बड़ा लेख लिखा था कि इसकी सफलता का कारण हार्श मार्केटिंग, वर्ल्ड वाइड लांच और बुक स्टोर्स को पांच हजार पार्टियां देने के अलावा, यह भी था कि पश्चिम के बच्चे, तमाम तरह के गिजमोज और तकनीक से ऊब चुके थे। उन्हें जीवन में ऐसा कुछ चाहिए था, जिससे वे रोमांचित हो सकें। एक जमाने में अपने यहां बाल साहित्य को

लेकर दो धाराओं में काफी बहस होती रही है। एक धारा कहती थी कि बच्चों को राजा–रानी, परी कथाएं, जिनके पात्र सिर्फ परियां ही नहीं, राक्षस, बौने, जादूगर, कोई चलने वाला पेड़, कोई बोलने वाला बाघ आदि होते थे, सुनाई जानी चाहिए। दूसरी ध ारा कहती थी कि बच्चों को वे कहानियां नहीं सुनाई, पढ़ानी चाहिए, जिनमें चमत्कार हों। वे चमत्कार की तरफ झुकें। तरह–तरह के अंधविश्वास उनके मन में न घर करें। इसलिए उन्हें वे कहानियां दें, जो उनके दैनंदिन जीवन से जुड़ी हों। यानी कि यथार्थवादी हों। क्योंकि बच्चे किसी चमत्कार के जरिए जीवन में सफलता नहीं प्राप्त कर सकते। परिश्रम से ही उन्हें सफलता मिलती है। ये बात सच भी है कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं और कोई चमत्कार बच्चे को सफलता दिलवा सकता है। और ऐसा भी नहीं है कि बच्चे इन बातों को जानते नहीं हैं कि अगर पढ़ेंगे नहीं, तो सफल होना मुश्किल है। अपनी नौकरी के दौरान पाया कि जब भी यथार्थवादी कहानियों पर अंक निकाले, उन्हें वह सफलता नहीं मिली जितनी कि राजा, रानी, वेद, पुराण, उपनिषद, कथा सरित्सागर, राजतरंगिणी, महाभारत, पंचतंत्र, हितोपदेश या ईसप की कथाओं को मिली। कई बार तो ऐसा हुआ कि ये अंक इतने बिके कि दोबारा छापने पड़े। इसके अलावा दैनंदिन जीवन की कथाएं कि बच्चों के बस्ते का बोझ कितना ज्यादा है, उन्हें पढ़ने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है, उन्हें अपने मित्रों से किस तरह के धोखे मिलते हैं, या कि किसी गरीब बच्चे के जीवन में कितनी कठिनाइयां हैं, इन्हें आम तौर पर बच्चे सुनना नहीं चाहते। इससे ये निष्कर्ष भी निकला कि बच्चे जिन आफतों को रोजमर्रा के जीवन में भुगत रहे हैं, अगर आप उनका मनोरंजन करने आए हैं और उन्हें कहानियां भी यही सुना रहे हैं, तो वे हूट कर देते हैं। फिर जिस वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, तार्किकता को बढ़ाने आदि की बातें की जाती हैं, उनमें एक दिक्कत यह भी है कि विज्ञान प्रति पल बदलता है। आज एक खोज कुछ कहती है, तो दूसरी खोज बिल्कुल उसके विपरीत बातें करती हैं, तो आखिर किस बात को सच माना जाए। यों भी विज्ञान को किसी रूढ़ तर्क और अर्थ में बांधा भी नहीं जाना चाहिए। फिर जिन्हें परीकथा कहा जाता है, वहां भी तर्क नहीं होता, ऐसा नहीं कहा जा सकता। जिसे फेंटेसी कहा जाता है, वहां भी किसी कहानी में अच्छाई पर बुराई की विजय नहीं दिखाई जाती। न ही यह बताया जाता है कि सच के मुकाबले झूठ बोलना कितनी अच्छी बात है या कि पर्यावरण को नष्ट करना ठीक है। अथवा किसी जीव को सताना, किसी गरीब की मदद न करना, अपने बड़ों की बात न मानना ही बढ़िया है। फेंटेसी के भी बहुत मानवीयता वाले तर्क होते हैं। अपनी यूरोप की यात्रा के दौरान बहुत से भारतीय और विदेशी बच्चों से मिली हूं। वहां भारतीय बच्चे अपने देश के मिथकीय चरित्रों जैसे कि श्रीराम, रावण, श्रीकृष्ण, दुर्योधन, बाल गणेश, काली, बाल हनुमान, मय दानव, अंगद, बाली, शिव, पार्वती, महाभारत की कथाएं, जटायु, पंचतंत्र की जानवरों की कथाएं आदि को बहुत चाव से पढ़ते मिले। जैसे ही किसी वैज्ञानिक चीज के बारे में उनसे बात की गई, वे फौरन अपना मोबाइल दिखाकर कहने लगे कि ये बात उन्हें पहले से मालूम है। जैसे कि चांद के बारे में कहा जाता है कि वहां न आक्सीजन है, न पानी, न पेड़, पौधे, न कोई इन्सान। इसलिए इन दिनों बच्चों को चांद के बारे में यदि कोई चमत्कारिक कथा सुनाई जाए, तो वे नहीं सुनेंगे। लेकिन एक कहानी सैशन के दौरान बच्चों ने चांद के बारे मे ऐसी–ऐसी परिकल्पनाएं कीं कि लगा कि वे अब भी चांद को लेकर बहुत–सी कहानियां सुन सकते हैं, बुन सकते हैं। यथार्थ में चांद कैसा है, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जिस अल्फा जेनरेशन के ये बच्चे हैं, वे यथार्थवादी कहानियों के मुकाबले, वे कहानियां सुनना, सुनाना चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने कल्पना के घोड़े दौड़ाने का भरपूर मौका मिले। जहां उनकी कल्पना की राह में कोई रोड़ा न अटका हो, जिनमें भरपूर एक्शन, एडवेंचर हो। ऐसी बातें हों, जो कभी देखी, सुनी न हों। इनके आसपास न हों। कुल मिलाकर फेंटेसी की वह दुनिया, जिसमें वे नायक की भूमिका या किसी योद्धा की भूमिका में हों। इस तरह की कहानियों में बच्चों के मस्तिष्क में कब, क्यों, कहां, किसलिए, अच्छा, ऐसा, वैसा, क्या ऐसा हो सकता है, आदि के तर्क चलते हैं।

1.29 करोड़ छात्रों का भविष्य तय करने वाला महा–इम्तिहान और फीफा में चीन की अदृश्य एंट्री!

पिछले हफ्ते चीन में दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें रिकॉर्ड 1.29 करोड़ (12.9 मिलियन) छात्र शामिल हुए। इस सालाना कॉलेज प्रवेश परीक्षा को गाओकाओ कहा जाता है। दो से चार दिनों तक चलने वाले इस महा–इम्तिहान को बिना किसी बाधा के पूरा कराने के लिए सरकार ने जमीन–आसमान एक कर दिया। सरकारी मीडिया सिन्हुआ के अनुसार, छात्रों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए बसों के रूट बदले गए, परीक्षा केंद्रों के आसपास निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई और शांति बनाए रखने के लिए कई सख्त इंतजाम किए गए। भारत में चीनी दूतावास की आधिकारिक प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया एक्स पर इसे भारत के **JEE** और **NEET** को एक साथ मिला देने जैसी परीक्षा बताया। उनके इस पोस्ट के आते ही इंटरनेट पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। लोगों ने इस पोस्ट की टाइमिंग को भारत में हाल ही में हुए **NEET** और **CBSE** परीक्षाओं के विवादों से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। इसी हफ्ते फीफा विश्व कप का भी रोमांचक आगाज हुआ। भले ही चीन की फुटबॉल टीम इस वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं बन पाई, लेकिन मैदान से लेकर बाजार तक चीनी कंपनियों और उनके प्रोडक्ट्स का ही जलवा रहा। खासकर, मशहूर लाबुबु डॉल्स के रूप में सजे वर्ल्ड कप के शुभंकर हर तरफ छाए रहे। इसके साथ ही, इस हफ्ते चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उत्तर कोरिया की पहली विदेश यात्रा भी सुर्खियों में रही, जो रणनीतिक और कूटनीतिक रूप से बेहद खास है। हमने इसके मायने और वैश्विक राजनीति पर इसके असर का गहराई से विश्लेषण किया है। दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने चीन को एक बड़ा झटका देते हुए उसकी दिग्गज कंपनियों जैसे कि कार निर्माता ठल्क और ई–कॉमर्स की महारथी अलीबाबा को आधिकारिक तौर पर च्चीनी सैन्य कंपनियों की ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है। अमेरिका के इस कड़े कदम पर चीनी सरकार ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसकी तीखी आलोचना की है। आइए, अब इन तमाम बड़ी खबरों को सिलसिलेवार ढंग से विस्तार के साथ समझते हैं।

चीन में कैसे कंडक्ट होती है गाओकाओ परीक्षा

इस परीक्षा को चीनी छात्र के स्कूली जीवन के सबसे अहम हिस्सों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसी से तय होता है कि वे देश के बेहतरीन कॉलेजों में दाखिला ले पाएंगे या नहीं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ष्निष्पक्षता बनाए रखने के लिए गाओकाओ परीक्षा के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं। कहा जाता है कि परीक्षा के सवाल तैयार करने वाले शिक्षकों को लगभग एक महीने तक सुरक्षित जगहों पर रखा जाता है। अक्सर परीक्षा के पेपर कड़ी सुरक्षा वाली जगहों पर छापे जाते हैं, जिनमें जेलें भी शामिल हैं यहाँ पेपर लीक होने से रोकने के लिए कचरा निपटान और ड्रेनेज सिस्टम पर कड़ी नजर रखी जाती है।ष आवाजाही पर नजर रखने के लिए सैटेलाइट ट्रैकिंग और हथियारों से लैस सुरक्षा काफिलों का भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि गलतियाँ नहीं होतीं। उदाहरण के लिए, **BBC** के अनुसार, सालों बाद पता चला कि 2002 और 2009 के बीच शेडोंग प्रांत में पहचान की चोरीके 242 मामले सामने आए थे, जिनमें कुछ छात्रों ने योग्य उम्मीदवारों की जगह ले ली थी। 2018 में, परीक्षा में ग्रेड से छेड़छाड़ के आरोपों के कारण दो वरिष्ठ अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। आम तौर पर, इस परीक्षा पर आरोप लगते रहे हैं कि अमीर परिवारों और बेहतर इलाकों में रहने वाले लोग इसमें कुछ हद तक हेर–फेर करते हैं। कुल मिलाकर, यह प्रक्रिया ठीक से काम कर रही है, लेकिन इससे छात्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने का भारी दबाव भी पड़ता है। चीन में गाओकाओ सामाजिक स्तर पर आगे बढ़ने का एक अनोखा मौका है। अपनी किताब श्द हाइएस्ट एग्जामरू हाउ द गाओकाओ शेप्स चाइना (2025) में लेखकों होंगबिन ली, रुइक्स्यू जिया और क्लेयर कूसिन्यू ने लिखा है, ष्गाओकाओ चीन में समाज और उससे भी ज़्यादा अहम, सरकार के सामने अपनी काबिलियत साबित करने के कुछ चुनिंदा मौकों में से एक है। सच तो यह है कि चीन में शायद ही कोई ऐसा हो जो देश की शिक्षा व्यवस्था से अछूता रहा हो।

सालों से ग्लोबल स्तर पर एक अहम ताकत होने और ओलंपिक जैसे इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स में दबदबा बनाए रखने के बावजूद, फुटबॉल के सबसे बड़े इवेंट में चीन की मौजूदगी खास तौर पर नजर नहीं आई है। इसकी नेशनल फुटबॉल टीम ने आखिरी बार 2002 में क्वालीफाई किया था, जब जापान और साउथ कोरिया ने मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। लेकिन उनके न होने के बावजूद, इस खूबसूरत खेल से चीन के दूसरे जुड़ाव भी हैं कहा जाता है कि देश में इस खेल को काफी पसंद किया जाता है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वजह चीनी रेफरी मा निंग की मौजूदगी है, जिनके सोशल मीडिया पर बहुत सारे फॉलोअर्स हैं और उन्हें बड़े चीनी ब्रांड्स से स्पॉन्सरशिप भी मिली है। और दूसरी वजह, जाहिर है, खुद चीनी ब्रांड्स हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने जून की शुरुआत में इस इवेंट पर चीनी मैन्युफैक्चरिंग के असर के बारे में रिपोर्ट दी। इसमें बीजिंग की रिटेल कंपनी ऑल स्टार पार्टनर का कई राष्ट्रीय टीमों के लिए आधिकारिक लाइसेंसिंग अधिकार हासिल करने से लेकर, आधिकारिक टेक्नोलॉजी पार्टनर के तौर पर बीजिंग की ही कंपनी श्लेनोवोश तक शामिल थी।

अमेरिका ने **BYD** और अलीबाबा को माना श्चीनी सैन्य कंपनियांश

इसी हफ्ते की शुरुआत में, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाते हुए चीन की दिग्गज कंपनियों को एक आधिकारिक लिस्ट में शामिल कर दिया है। इस लिस्ट में ई–कॉमर्स की महारथी **Alibaba**, इंटरनेट सर्च इंजन ठंपकन और इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली मशहूर कंपनी **BYD** शामिल हैं। अमेरिका का मानना है कि ये कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी सरजमीं पर चीनी सैन्य कंपनियों के रूप में काम कर रही हैं। इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह लिस्ट चीनी कंपनियों को गलत और अनुचित तरीके से दबाने की कोशिश है। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका से अपनी इस गलत हरकत को तुरंत सुधारने का आग्रह किया है। वहीं दूसरी ओर, प्रभावित चीनी कंपनियों ने भी अमेरिकी दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए इस फैसले की कड़ी आलोचना की है।

ईरान युद्ध फंडिंग पर यूएस में घमासान, ट्रंप की 88 अरब डॉलर की मांग पर भड़के डेमोक्रेट्स, बोले– ये गैर–जिम्मेदाराना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने 24 जून को कांग्रेस से जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 87.6 अरब डॉलर की फंडिंग का अनुरोध किया है। इस फंडिंग का ज़्यादातर हिस्सा पेंटागन ने ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए मांगा है। इस प्रस्ताव में मध्य अफ्रीका में इबोला से निपटने के प्रयासों और अमेरिकी किसानों के लिए क्तीय सहायता के लिए भी पैसे शामिल हैं। प्रक्ता शॉन पार्नेल ने एक बयान में कहा कि हम सैनिकों के हित में इसे पास कराने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने और यह पक्का करने के लिए उत्सुक हैं कि हम आज किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। युद्ध विभाग ने 67 अरब डॉलर की धनराशि की मांग की है, जिसमें हथियारों के लिए 21 अरब डॉलर, ऑपरेशनल खर्चों के लिए 17.3 अरब डॉलर

और गोपनीय कार्यक्रमों के लिए 12.1 अरब डॉलर शामिल हैं। पेंटागन ने कहा है कि उसे युद्ध और ईरान की परमाणु क्षमताओं से जुड़े ऊर्जा विभाग के लिए 76.75 करोड़ डॉलर की जरूरत है। इसने ईरान के आस–पास के देशों में दूतावास की सुरक्षा और निर्माण कार्य के लिए विदेश विभाग को 30 करोड़ डॉलर देने का भी जिक्र किया है।

यह घटनाक्रम व्हाइट हाउस के लिए राजनीतिक रूप से मुश्किल समय में हुआ है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के आर्थिक असर को लेकर बढ़ती चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। सांसदों पर भी युद्ध से जुड़े खर्च को सही ठहराने का भारी दबाव है। डेमोक्रेट्स ने पहले ही इस प्रस्ताव की आलोचना की हैय उनका तर्क है कि मांगी गई ज़्यादातर फंडिंग की समीक्षा इमरजेंसी कानून के बजाय सामान्य बजट प्रक्रिया के जरिए की जानी चाहिए। सीनेट में माइनॉरिटी लीडर चक शूमर ने अतिरिक्त फंड की मांग पर कहा कि अमेरिका को एक गैर–जिम्मेदाराना युद्ध में धकेलने के बाद, अब वे चाहते हैं कि कांग्रेस उन्हें नुकसान की भरपाई के लिए और अरबों डॉलर दे दृ जबकि परिवारों को अभी भी ज़्यादा कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। सीनेट एप्रोप्रिएशन कमिटी में डेमोक्रेट्स की प्रमुख नेता और वॉशिंगटन की सीनेटर पैटी मरे ने इस मांग को पेंटागन की ऐसी प्राथमिकताओं के लिए अरबों डॉलर और हासिल करने की कोशिशष बताया, जिनका इस मामले से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि इन फंड्स पर ष्सही तरीके से सालाना बजट आवंटन प्रक्रिया के तहत विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा मैं इस पूरी मांग की बारीकी से समीक्षा करूंगी और यह पक्का करूंगी कि हम अपने सैनिकों का ध्यान रखें, लेकिन मैं अपनी मर्जी से शुरू की गई इस विनाशकारी जंग के लिए अरबों डॉलर और मंजूर नहीं करूंगी। इस प्रस्ताव का बचाव करते हुए, सीनेट आर्म्ड सर्विसेज कमिटी के चेयरमैन और मिसिसिपी के ळव्व् सीनेटर रोजर विकर ने कहा कि यह फंडिंग ष्जरूरीष है। उन्होंने कहा कि इससे खास तरह के गोला–बारूद से लेकर कम लागत वाले हाइपरसोनिक हथियार, स्ट्राइक हथियार और ड्रोन जैसी अहम क्षमताओं का तुरंत उत्पादन तेजी से हो सकेगा। सैन्य खर्च के अलावा, इस प्रस्ताव में खेती–बाड़ी में मदद के लिए 11.1 अरब डॉलर और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और अफ्रीका के दूसरे हिस्सों में इबोला के प्रकोप से निपटने की कोशिशों के लिए 1.4 अरब डॉलर की मांग भी की गई है।

वेनेजुएला में 126 साल में सबसे बड़ी तबाही, भारत ने दिया एक्शन का आदेश

वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप है और इसमें बहुत ज्यादा संख्या

ने भारी तबाही मचाई है। वेनेजुएला के उत्तरी मध्य हिस्से में आए दो शक्तिशाली भूकंप ने पूरे देश को हिला दिया। पहले 7.1 तीव्रता का झटका महसूस हुआ और महज 39 सेकंड के बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और ज्यादा शक्तिशाली भूकंप आया। इसका केंद्र यूमारे के पास बताया गया। राजधानी काराकास समेत कई शहरों में भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट में भारी तबाही की तस्वीरें हुई।

लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भाग रहे हैं। छिपने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वह अपनी जान बचा सकें। लेकिन बताया जा रहा है कि अब तक इस ऑपरेशन में यह अनुमान लगा लिया गया है कि इस भूकंप से भारी तबाही मची में लोग मारे गए होंगे।

वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने ऐसी तबाही मचाई है कि पूरी दुनिया अब वेनेजुएला की मदद के लिए सामने आ रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वेनेजुएला की मदद का ऐलान किया है। भारत के प्रधानमंत्री ने वेनेजुएला में आए आपदा पर शोक जताया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वेनेजुएला में आए भूकंप से भारी तबाही से बहुत दुखी हूं। भारत के लोगों की ओर से मैं वेनेजुएला की सरकार लोगों के प्रति खासकर उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। पीएम ने लिखा के हम घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में प्रभावित लोगों के साथ खड़े रहेंगे। भारत हर मुमकिन मदद के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि भीषण भूकंप के मद्देनजर भारत सरकार भी स्थिति पर बनाए हुए हैं। भारत सरकार ने राहत और बचाव में सहयोग के लिए एनडीआरएफ को तैयार रहने को कहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की एक विशेष टीम को वेनेजुएला भेजने की तैयारी शुरू हो गई है।

भारत की इस पहल को वैश्विक मानवता सहयोग और आपदा प्रबंधन में उसकी बढ़ती भूमिका के तौर पर देखा जा रहा है। जाहिर तौर पर जिस तरह का यह हादसा हुआ है, उसने हर किसी को हिला के रख दिया है। इस मौके पर जो तस्वीरें सामने आई, जहां एयरपोर्ट में भूकंप का भारी नुकसान होता हुआ दिखा, उस मौके पर वहां मौजूद पूर्व सांसद विलमर अजवाजे ने अपने कैमरे में इन तस्वीरों को कैद किया और उस वक्त वो क्या कुछ कह रहे थे, आपको यह भी सुनवा देते हैं।

क्या मोमेंट तो वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेलसी रोड्रीगेज ने भी लोगों से एकता दिखाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस हादसे में हमने कई अपने प्रियजनों को खोया है।

नेमार का ग्रैंड कमबैक, स्कॉटलैंड पर 3–0 की जीत के बाद ब्राजील ने भरी खिताबी हुंकार

बुधवार को ग्रुप C के मैच में स्कॉटलैंड पर 3–0 की शानदार जीत के बाद, ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 2026 वर्ल्ड कप में अपनी टीम की सफलता को लेकर पूरा भरोसा जताया। मैच के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नेमार ने कहा कि टीम एकजुट है और टूर्नामेंट में अपना लक्ष्य हासिल करने पर पूरी तरह से केंद्रित है। उन्होंने कहा कि मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ, और सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरी टीम भी। पूरी टीम जीतना चाहती है। हम जानते हैं कि अगर हम एकजुट हों और हमारी यह इच्छा और मजबूत होती जाए, तो हमारे पास अपना लक्ष्य हासिल करने का बहुत अच्छा मौका है।

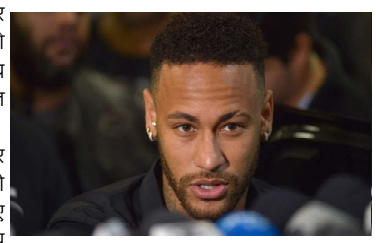

34 साल के नेमार ने 2023 के बाद पहली बार ब्राजील के लिए मैदान पर कदम रखाय वे मैच के आखिरी पलों में सब्स्टीट्यूट के तौर पर खेलने आए। ग्रुप C के शुरुआती दो मैच न खेल पाने के बाद, काफ (पिंडली) की चोट से उबरकर नेमार ने मैदान पर वापसी की। नेमार ने न सिर्फ मौजूदा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला, बल्कि अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार मैदान पर वापसी भी कीय उस समय उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच के दौरान उन्हें घुटने में गंभीर चोट लगी थी। चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ा और ब्राजील के क्वालिफिकेशन कैंपेन में उनकी भागीदारी सीमित रही। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में 76वें मिनट में नेमार मैदान पर उतरे और मैथियस कुन्हा की जगह ली। यह फॉरवर्ड खिलाड़ी अपना चौथा फीफा वर्ल्ड कप खेलने उतरा, जिससे उनके इंटरनेशनल करियर में एक शानदार उपलब्धि जुड़ गई। वह अब टूर्नामेंट के 2014, 2018, 2022 और 2026 संस्करणों में खेल चुके हैं।

ब्राजील बनाम स्कॉटलैंड मैच की बात करें तो, ब्राजील ने अपने आखिरी ग्रुप ६ मैच में स्कॉटलैंड को 3–0 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने ग्रुप में टॉप स्थान हासिल किया और मोरक्को के साथ नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई। विनीसियस ने पहले हाफ में दो गोल करके शानदार प्रदर्शन कियाय उन्होंने सातवें मिनट में पहला गोल किया और हाफ–टाइम से ठीक पहले हेडर से अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद, ब्रेक के बाद मैथियस कुन्हा ने तीसरा गोल किया।

माइक हेसन का खुलासा, पीसीबी पाकिस्तान के उभरते हुए टैलेंट को यूएस में देगा पावर–हिटिंग ट्रेनिंग

पाकिस्तान क्रिकेट में बड़े बदलाव की कोशिश की जा रही

है। इसी कड़ी में व्हाइट–बॉल हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों की पावर–हिटिंग और ओवरऑल स्किल डेवलपमेंट को बेहतर बनाने की कोशिशों के तहत उन्हें अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक हेसन ने बताया है कि बोर्ड के साथ इस बारे में बातचीत चल रही है।

कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ खिलाड़ियों की अनजान माहौल में पावर–हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन होनहार खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है। हेसन ने क्रिकइन्फो से बातचीत में कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर–हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर–हिटिंग के अलग–अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताजा विचार सीख सकें।

हेसन ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह प्रोग्राम सिर्फ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। उनकी ये बातें च्छ के स्पोर्ट्स और एक्सरसाइज मेडिसिन डायरेक्टर, डॉ. जावेद मुगल के उस बयान के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि श्प्रोफेशनल स्पोर्ट में फिटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा सकताश और च्छ ने एक श्मजबूत, भरोसेमंद और बार–बार इस्तेमाल की जा सकने वाली टेस्टिंग और स्क्रीनिंग प्रक्रियाश तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है।

हेसन ने कहा कि इसमें थोड़ा सहयोग भी शामिल है। यह निश्चित रूप से सिर्फ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे साथ जावेद मुगल हैं, जो यहाँ आए हैं और खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उनके मूल्यांकन (असेसमेंट) के तरीके को बदल रहे हैं। इसलिए उन्हें इसकी योजना बनाने के लिए भी समय चाहिए।

मैक्सिको की 3–0 जीत पर क्लाउडिया शिनबाम ने दी बधाई, बोलीं –गर्व है

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्दो ने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को बधाई दी। टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप । के अपने आखिरी मैच में चेक रिपब्लिक को 3–0 से शानदार तरीके से हराया और ग्रुप–स्टेज का अपना सफर बेहतरीन ढंग से पूरा किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मेक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने टीम के समर्पण, जोश और प्रदर्शन की तारीफ की और उनकी इस कामयाबी पर देश को गर्व महसूस होने की बात कही। उन्होंने लिखा कि हमारी राष्ट्रीय टीम को बधाई! आपके समर्पण, मेहनत और जोश से हमें गर्व महसूस होता है। हमें इतनी खुशी देने और शानदार तरीके से मेक्सिको का प्रतिनिधित्व करने के लिए आपका शुक्रिया। आइए, पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ें!

मैच के बाद बधाई संदेश में मेक्सिको फुटबॉल एसोसिएशन ने टीम की तारीफ की, क्योंकि अब वे घरेलू मैदान पर होने वाले टूर्नामेंट के नॉकआउट राउंड की तैयारी कर रहे हैं। एसोसिएशन ने एक्स पर पोस्ट किया कि इतिहास में पहली बार तीन मैच और तीनों में जीत! हमारी नेशनल टीम का ऐतिहासिक ग्रुप स्टेज। और अब हम राउंड ऑफ 16 के लिए तैयार हैं! डाई–हार्ड फैन्स, एस्टाडियो स्यूदाद डी मेक्सिको में मिलते हैं। मैच की बात करें तो, मेक्सिको ने चेक रिपब्लिक पर 3–0 से जीत के साथ थ्थ्। वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप–स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीनों मैच जीते और ग्रुप । में टॉप पर रहे। राउंड ऑफ 32 के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी मेजबान टीम ने आत्मविश्वास के साथ खेला और पहले हाफ में कोई गोल न होने के बाद दूसरे हाफ में मैच पर अपनी पकड़ बना ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत में माटेओ चावेज ने चेक डिफेंस को भेदते हुए शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया, और इसके कुछ ही देर बाद जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच के आखिर में ओचोआ को मैदान पर उतारा गया, जो उनके शानदार वर्ल्ड कप करियर का एक और अहम पड़ाव था।

खेसरहा में मनरेगा में फर्जी हाजिरी का बड़ा खुलासा, महिला मेट बर्खास्त, प्रधान समेत तीन से जवाब–तलब

दैनिक बुद्ध का संदेश / शशांक मिश्रा

खेसरहा। जनपद सिद्धार्थनगर के खेसरहा विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बनकटा प्रथम में मनरेगा कार्यों में कथित फर्जी हाजिरी और अनियमितताओं का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शिकायत को गंभीर मानते हुए एक महिला मेट को पद से हटा दिया गया है, जबकि ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) और रोजगार सेवक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। पीजी पोर्टल पर शिकायत से खुला मामला: जानकारी के अनुसार, आजाद अधिकार सेना के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पूर्वांचल जितेंद्र कुमार पाण्डेय ने पीजी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कर मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया था। शिकायत की प्रतियां ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा आयुक्त, जिलाधिकारी तथा डीसी मनरेगा को भी भेजी गई थीं। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कराई। रिकॉर्ड में 148 मजदूर, मौके पर गिने–चुने श्रमिक: शिकायत में आरोप लगाया गया

कि ग्राम पंचायत बनकटा प्रथम में संचालित एक मनरेगा कार्यस्थल पर जारी मास्टर रोल संख्या 1143 से 1157 तक दर्ज श्रमिकों की संख्या और वास्तविक स्थिति में भारी अंतर था। शिकायतकर्ता का दावा है कि 1 जून से 4 जून 2026 के बीच कार्यस्थल पर सीमित संख्या में मजदूर कार्य कर रहे थे, जबकि एनएमएमएस (छडडै) ऐप पर 148 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज कर उनकी तस्वीरें अपलोड की गईं। शिकायत में यह भी कहा गया कि बाद के दिनों में भी कार्यस्थल पर पर्याप्त मजदूर मौजूद नहीं थे, फिर भी उपस्थिति दर्ज होती रही। इससे मनरेगा में पारदर्शिता और सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े हो गए। फोटो और मोबाइल डिवाइस की जांच की मांग: शिकायतकर्ता ने प्रशासन से मांग की कि एनएमएमएस ऐप पर अपलोड की गई तस्वीरों का वास्तविक स्थिति से मिलान कराया जाए। साथ ही फोटो अपलोड करने में इस्तेमाल मोबाइल फोन अथवा अन्य डिवाइस की तकनीकी जांच भी कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उपस्थिति किस प्रकार दर्ज की गई और कहीं फर्जीवाड़ा तो नहीं हुआ। प्रशासन ने दिखाई सख्ती: मामले की गंभीरता को देखते हुए खंड विकास अधिकारी ने जांच कराई। प्रारंभिक जांच में अनियमितता के संकेत मिलने पर संबंधित महिला मेट को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया। इसके साथ ही ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और रोजगार सेवक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी जारी है और सभी तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। यदि जांच में अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम:स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को मनरेगा योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्रामीणों की निगाहें अब आगे की जांच पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कथित फर्जी हाजिरी के पीछे कौन–कौन जिम्मेदार हैं और सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी करने वालों पर क्या कार्रवाई होती है।

आईजीआरएस रिपोर्ट पर उठे सवाल : जांच में हटाई गई प्लाटिंग, लेकिन उसी जमीन पर जारी रजिस्ट्रियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे खुनुवा में अवैध प्लाटिंग का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत संख्या 40018426001069 के संबंध में प्रषासन द्वारा दिए गए जवाब में दावा किया गया कि मौके की जांच कर अवैध प्लाटिंग को हटवा दिया गया है और अब वहां कोई अवैध गतिविधि नहीं हो रही है। लेकिन सामने आए एक विभागीय पत्र ने इस पूरे मामले पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।प्राप्त पत्र के अनुसार, षिकायत की जांच के दौरान यह स्वीकार किया गया कि ग्राम खुनुवा, तहसील शोहरतगढ़ में संबंधित गाटा संख्या 313 में प्लाटिंग के संबंध में जेसीबी के द्वारा मौके पर की गयी गई अबैध प्लाटिंग को हटवा दिया गया है इतना ही नहीं, पत्र में यह भी उल्लेख है कि उक्त भूमि अन्तर्गत धारा – 80 एवं यूपीआरसी – 2006 आकृशक व जिला पंचायत से अनुमति व नक्सा पास कराये बिना प्लाटिंग और कॉलोनी का कार्य किया जाना नियम विरुद्ध पाया गया। इसके चलते संबंधित व्यक्ति को यह कहा गया धारा 80,जिला पंचायत से अनुमति एवम नक्सा पास कराने के उपरांत ही प्लाटिग आदि कार्य किया जाय अन्यथा की दषा मे विधिक कार्यवाही के सम्बन्ध मे रिपोर्ट प्रेषित कर दी जायेगी। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस प्लाटिंग को कागजों में हटाया हुआ दर्षाया गया और जिसके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई, उसी भूमि पर आज भी धड़ल्ले से रजिस्ट्रियां जारी हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि अवैध प्लाटिंग समाप्त हो चुकी थी तो फिर रजिस्ट्रियां किस आधार पर हो रही हैं? और यदि कार्रवाई की संस्तुति की जा रही है तो अब तक दोशियों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुइ ? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी निश्पक्ष जांच होनी चाहिए। आरोप है कि भ्रामक रिपोर्टों के जरिए उच्चाधिकारियों को गुमराह किया गया, जिससे भू–माफियाओं के हौसले बुलंद हुए और सीमा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग का खेल लगातार जारी रहा। भारत –नेपाल सीमा जैसे संवेदनशील इलाके में नियमों को ताक पर रखकर की जा रही प्लाटिंग न केवल राजस्व नियमों की अनदेखी है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में वास्तविक कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

ससुराल में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के भैंसहिया गांव में ससुराल आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर पीट–पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गोंडा जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र स्थित नरहरपुर दल्लीजोत निवासी अनिल कुमार यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अनिल ने भैंसहिया गांव की उर्मिला देवी से प्रेम विवाह किया था और उनके एक पुत्र व एक पुत्री हैं। ससुराल में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए वह कुछ दिन पहले भैंसहिया आया था। मृतक के पिता रामसेवक यादव का आरोप है कि प्रेम विवाह से नाराज ससुराल पक्ष के लोगों ने मंगलवार रात अनिल की लाठी – डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। सूचना मिलने पर परिजन उसे इलाज के लिए बस्ती ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने ससुर, साले समेत कई लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।थानाध्यक्ष भवानीगंज विजय शंकर सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में अब शाम चार बजे तक चलेगी ओपीडी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। मरीजों की सुविधा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज की कॉलेज काउंसिल समिति ने ओपीडी का समय बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब मेडिकल कॉलेज की सभी ओपीडी सेवाएं प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होंगी।मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश मोहन ने बताया कि मरीज हित और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि मरीजों के पंजीकरण के लिए पर्चा एवं रजिस्ट्रेशन काउंटर सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुला रहेगा।ओपीडी संचालन व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने तथा रोगियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित कॉलेज काउंसिल समिति की बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार–विमर्श किया गया। समिति ने सर्वसम्मति से ओपीडी का समय बढ़ाने का निर्णय लिया।प्राचार्य ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समयावधि में मरीजों को निर्बाध, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि दूर–दराज से आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

संचारी रोगों पर वार करेगा नगर पालिका का महाभियान

फतेहपुर। बरसात के मौसम में फैलने वाले संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नगर पालिका परिषद फतेहपुर ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर पालिका कार्यालय में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी रविंद्र कुमार ने की। बैठक में अधिशासी अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 31 जुलाई तक नगर क्षेत्र के सभी वार्डों में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नालियों की सफाई, कूड़े का नियमित निस्तारण, एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग कराई जाएगी, जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की जा सके। संचारी रोगों की रोकथाम केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, इसमें आम नागरिकों की सहभागिता भी बेहद जरूरी है। लोगों को अपने घरों और आसपास स्वच्छता बनाए रखनी होगी। कूलर, पानी की टंकियों और अन्य पात्रों का पानी नियमित रूप से बदलें तथा कहीं भी जलभराव न होने दें। ईओ ने पॉलीथिन के उपयोग से बचने की अपील करते हुए कहा कि पॉलीथिन नालियों को जाम कर देती है, जिससे जलभराव होता है और बीमारियों के पनपने का खतरा बढ़ जाता है।

मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए डीएम व एसपी ने किया बडहरागंज गांव का निरीक्षण, दिया निर्देश

कुशीनगर। जनपद में आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के मद्देनजर जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने संयुक्त रूप से पडरौना कोतवाली थाने के मिश्रौली पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बडहरागंज स्थित कर्बला एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण एवं भ्रमण कर पर्व को शांति पूर्वक मनाने की अपील की।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मोहर्रम से संबंधित व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा जुलूस मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पर्व के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर उन्हें प्रशासन की ओर से पूर्ण सुरक्षा का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आमजन से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा समस्या की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस को उपलब्ध कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। जनपद प्रशासन द्वारा मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

बिजली विभाग मे भर्ती घोटाले पर पर्दा डालने की कोशिश? खुलासे के बाद भी जांच नहीं

कुशीनगर। बिजली विभाग में कथित रूप से लाखों रुपये लेकर की गई कम्प्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्तियों का मामला सामने आने और मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बावजूद अब तक किसी स्तर पर जांच शुरू नहीं की गई है। इससे न केवल भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल और गहरे हो गए हैं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी भी संदेहों को बल दे रही है।

बीते दिनो मीडिया द्वारा प्रकाशित खबर में यह गंभीर आरोप सामने आया था कि आउटसोर्सिंग कम्पनी ने बिना किसी सार्वजनिक विज्ञापन, बिना मेरिट सूची और बिना पारदर्शी चयन प्रक्रिया के दर्जनों युवाओं को कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नियुक्त कर दिया है। सूत्रों का दावा है कि इन नियुक्तियों के लिए अभ्यर्थियों से डेढ़ से दो लाख रुपये तक वसूले गए है। लेकिन खबर प्रकाशित होने के कई दिन बाद भी न तो विभागीय जांच बैठी और न ही किसी अधिकारी ने नियुक्ति प्रक्रिया के सफाई में अपना मुंह खोलने की जहमत उठाई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुरूप थी तो विभाग अब तक चयन से संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहा? नियुक्त कर्मचारियों की सूची, आवेदन प्रक्रिया, विज्ञापन की प्रति, चयन समिति का गठन और मेरिट का आधार आखिर जनता के सामने क्यों नहीं लाया जा रहा? मामले को लेकर बेरोजगार युवाओं में भी नाराजगी बढ़ रही है। युवाओं का कहना है कि यदि नियुक्तियां पहले से तय थीं तो जिले के हजारों शिक्षित बेरोजगारों को आवेदन का अवसर क्यों नहीं दिया गया? क्या सरकारी विभागों से जुड़ी नौकरियां अब आम युवाओं की पहुंच से बाहर होकर केवल पैसे वालों तक सीमित हो गई हैं? चर्चा यह भी है कि भर्ती के इस कथित खेल में सिर्फ आउटसोर्सिंग कम्पनी ही नहीं, बल्कि कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। आखिर ऐसा कौन सा संरक्षण प्राप्त है। जिसके चलते नियुक्तियां होती रहीं और किसी स्तर पर कोई सवाल नहीं उठा?

मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि खुलासे के बाद भी प्रशासनिक खामोशी बरकरार है। आमतौर पर ऐसे गंभीर आरोप सामने आने पर प्रथम दृष्टया जांच के आदेश दिए जाते हैं, लेकिन यहां जिम्मेदार विभाग और जिला प्रशासन दोनों मौन दिखाई दे रहे हैं।

यह मौन स्वयं कई सवाल खड़े कर रहा है। कहना न होगा कि जिले के बेरोजगार युवाओं और आम जनता की निगाहें जिला प्रशासन तथा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं। सब यह है कि आरोप निराधार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से खारिज किया जाए और यदि आरोपों में सच्चाई है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। क्योंकि मामला केवल 17 नियुक्तियों का नहीं है, बल्कि उन हजारों युवाओं के विश्वास का है जो आज भी योग्यता के दम पर नौकरी पाने का सपना देख रहे हैं।

उठ रहे सवाल का जबाब नही दे रहा है विभाग— बिजली विभाग मे आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर आपरेटरों की हुई भर्ती का विज्ञापन कब और कहां प्रकाशित हुआ?, आवेदन कितने अभ्यर्थियों ने किया था?, चयन समिति में कौन–कौन शामिल थे?, चयनित अभ्यर्थियों की मेरिट सूची कहां है? यह सब कुछ नियमों के अनुसार हुआ है तो विभाग दस्तावेज सार्वजनिक करने से क्यों बच रहा है? आखिर खबर छपने के बाद भी जांच शुरू क्यों नहीं हुई? इन सवालों का जवाब मिलने तक भर्ती प्रक्रिया पर उठ रहे संदेह खत्म नही होगा।

हादसे के बाद जागने की परंपरा ?कुशीनगर में नियम ताक पर, खतरे में छात्र और पर्यटक

कुशीनगर के होटल, कोचिंग सेन्टर, लाइब्रेरी और रेस्टोरेंटों में मौत का इंतजाम।

कुशीनगर। राजधानी लखनऊ के कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है, लेकिन कुशीनगर में मानो इस घटना से कोई सीख नहीं ली गई है। जिले में संचालित होटल, रेस्टोरेंट, कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। अधिकांश संस्थानों के पास फायर विभाग की एनओसी नहीं है, अग्निशमन यंत्र या तो नहीं हैं या सिर्फ औपचारिकता के लिए लगाए गए हैं।

ऐसे में ये संस्थान किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। बुद्ध मंदिर मार्ग समेत जिले के विभिन्न कस्बों और नगर क्षेत्रों में दर्जनों होटल–रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं। वहीं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों और 24 घंटे चलने वाली लाइब्रेरियों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। इनमें रोजाना सैकड़ों छात्र–छात्राएं और पर्यटक आते–जाते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है।

बताते चलें कि जिले में कई कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरियां तंग गलियों, बहुमंजिला इमारतों और व्यावसायिक परिसरों में संचालित हो रही हैं। अधिकांश स्थानों पर आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट), फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर और अग्निशमन यंत्रों की समुचित व्यवस्था नहीं है। यदि आग या अन्य आपदा की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो छात्रों के सुरक्षित बाहर निकलने का रास्ता तक नहीं है। लखनऊ हादसे ने दिखा दिया कि थोड़ी सी लापरवाही किस तरह से जिंदगियों को निगल सकती है। इसके बावजूद कुशीनगर में प्रशासनिक स्तर पर कोई व्यापक जांच अभियान दिखाई नहीं दे रहा।

जानकारों की माने तो होटल, रेस्टोरेंट, कोचिंग और लाइब्रेरी संचालक हर माह लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा इंतजामों पर खर्च करने से बच रहे हैं। कई संस्थानों में विद्युत वायरिंग तक मानक के अनुरूप नहीं है। जनरेटर, इन्वर्टर और एयर कंडीशनर जैसे उपकरणों का उपयोग तो हो रहा है, लेकिन आग से बचाव के उपाय नहीं किए गए हैं।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठ रहे सवाल–– सबसे बड़ा सवाल यह है कि फायर विभाग, नगर निकाय और जिला प्रशासन आखिर इन संस्थानों की जांच क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? यदि फायर एनओसी और सुरक्षा मानक अनिवार्य हैं तो बिना इनके संस्थान कैसे संचालित हो रहे हैं?

पर्यटन नगरी कुशीनगर की छवि भी दांव पर–– विश्व प्रसिद्ध बौद्ध पर्यटन स्थल कुशीनगर में प्रतिवर्ष हजारों विदेशी पर्यटक आते हैं। यदि किसी होटल या सार्वजनिक प्रतिष्ठान में आग जैसी घटना होती है तो इसका असर केवल जनहानि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिले और प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी गहरा धब्बा लगेगा। लखनऊ कोचिंग हादसे के बाद पूरे प्रदेश में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की मांग उठ रही है। कुशीनगर में भी होटल, रेस्टोरेंट, कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरियों का विशेष ऑडिट कराया जाना समय की मांग है। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग समय रहते जागेंगे या फिर किसी बड़े हादसे के बाद केवल कार्रवाई का दिखावा होगा ?।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य मिठाई लाल ने खड्डा तहसील में की जन सुनवाई

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य मिठाई लाल की अध्यक्षता में खड्डा तहसील सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं शत–प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान आयोग के सदस्य ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता अथवा कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। सभी अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर मामलों की जांच करें तथा पीड़ितों को वास्तविक न्याय दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध ढंग से न्याय एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने राजस्व, पुलिस, विकास एवं समाज कल्याण विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दिया कि यदि किसी भी स्तर पर शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा टालमटोल करने की शिकायत प्राप्त हुई तो संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सदस्य ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना आयोग का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर आने वाले फरियादियों को बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए जवाबदेही तय करते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी खड्डा सर्वेश कुमार सिंह गौर, क्षेत्राधिकारी वीरेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक कुमार सहित राजस्व, विकास एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोन नदी हादसे को लेकर रालोद का प्रतिनिधिमण्डल मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र द्वारा उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र के माध्यम से प्रेषित कर जुगैल थाना क्षेत्र के मीतापुर गांव के समीप सोन नदी में डूबने से तीन लोगों की हुई दुःखद मृत्यु की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है।ज्ञापन में कहा गया है कि स्थानीय लोगों के अनुसार यह हादसा नदी में बालू खनन के दौरान बनाए गए गहरे गड्ढों के कारण हुआ है। क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से अवैध एवं अनियंत्रित खनन की शिकायतें की जाती रही हैं, लेकिन संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।राष्ट्रीय लोकदल ने आरोप लगाया है कि भारी मशीनों से किए जा रहे खनन के कारण सोन नदी की प्रा.तिक जलधारा प्रभावित हुई है तथा नदी का स्वरूप बदल गया है। इससे नदी किनारे रहने वाले लोगों, पशुओं एवं जलचर जीवों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी व्यक्तियों एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त मृतकों के आश्रित परिवारों को समुचित आर्थिक सहायता एवं अन्य सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि उन्हें इस कठिन समय में राहत मिल सके।राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र ने जनहित में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने की अपेक्षा व्यक्त की है।मौके पर जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर विस्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह पटेल युवा प्रदेश महासचिव विवेक चतुर्वेदी युवा जिलाध्यक्ष प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह रविंद्र दुबे आदि लोग उपस्थित उक्त आशय की जानकारी जिला मिडिया प्रभारी विकास पाण्डेय ने दी

परंपरागत ढंग से निकाली गई अष्टमी की छोटी ताजिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

दुद्धी, सोनभद्र। स्थानीय कस्बे एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को मुहर्रम की अष्टमी परंपरागत श्रद्धा और अनुशासन के साथ मनाई गई। इस अवसर पर छोटी ताजिया एवं अलम का जुलूस निकाला गया, जिसमें विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।अष्टमी का जुलूस भोर लगभग 4 बजे दुद्धी जामा मस्जिद के समीप से प्रारंभ हुआ। नगर के वार्ड संख्या 11 दर्जी मुहाल, जुगनू चौक, मीर मुहल्ला, साईं चौक, रामनगर, कलकली बहरा तथा मलदेवा, खजूरी, कठौतवा और डुमरडीहा सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के अखाड़े ढोल–ताशों की गूंज के बीच छोटी ताजिया और अलम के साथ जुलूस में शामिल हुए।केंद्रीय अखाड़ा कमेटी के तत्वावधान में सभी अखाड़ों के उस्तादों और युवाओं ने सुबह लगभग 8 बजे तक पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन किया। इस दौरान अलग–अलग अखाड़ों की टोलियां ढोल–ताशों की थाप पर प्रदर्शनकारियों का उत्साहवर्धन करती रहीं।जुलूस तहसील तिराहे से होते हुए पंचदेव मंदिर के समीप पहुंचा, जहां युवाओं ने मातमी प्रदर्शन किया तथा साईं चौक के अलम मिलान की परंपरागत रस्म अदा की। इसके बाद जुलूस शाह चौक पहुंचा, जहां फातेहाख्वानी के उपरांत सभी अखाड़े अपने–अपने निर्धारित स्थलों के लिए रवाना हो गए।मुहर्रम पर्व की अंतिम कड़ी के रूप में शुक्रवार को नवमी पर बड़ी ताजिया का जुलूस निकाला जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भोर 4 बजे तथा पुनः अपराह्न 3 बजे जुलूस निकलेगा, जो नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए देर शाम कर्बला के प्रतीक स्थल पर पहुंचेगा, जहां सूर्यास्त के बाद ताजियों को सुपुर्द–ए–खाक किया जाएगा।जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह स्वयं जुलूस के साथ मौजूद रहे। उन्होंने केंद्रीय अखाड़ा कमेटी के पदाधिकारियों से जुलूस मार्ग एवं परंपरागत रस्मों की जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर केंद्रीय अखाड़ा कमेटी के सदर मुजीब खान, फतेह मोहम्मद खान, सेराज खान, एजाजुल हुदा, तालिब अली, शरफू खान, अलीराजा हवारी, बच्चा खान, इम्तियाज अहमद, लाला बाबू, जोखन खलीफा, फिरोज खलीफा, मैनू खलीफा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस कार्यालय में

आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं और उनके त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी तथा अन्य पुलिस संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। एसपी ने प्रत्येक प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को तथ्यपरक जांच कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। साथ ही शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की जानकारी समय–समय पर उपलब्ध कराने तथा संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करने को कहा।एसपी ने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, अनावश्यक देरी या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गंभीर मामलों में प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

एकीकरण समिति की बैठक 27 जून को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी दिनेश कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सु.ढ़ बनाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026–27 की जिला एकीकरण समिति की प्रथम त्रैमासिक बैठक 27 जून, 2026 को अपराह्न 2:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष, जिला पंचायत, सोनभद्र द्वारा की जाएगी।बैठक में जनपद में राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की भावना को और अधिक प्रोत्साहित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही सामाजिक सौहार्द, आपसी सद्भाव एवं शांतिपूर्ण वातावरण को बनाए रखने हेतु आवश्यक सुझावों एवं कार्ययोजनाओं पर विचार–विमर्श किया जाएगा।बैठक के दौरान जनपद में साम्प्रदायिक एकता एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा भी की जाएगी तथा विभिन्न विभागों एवं संबंधित अधिकारियों से आवश्यक सुझाव प्राप्त किए जाएंगे।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल, पैर में लगी गोली

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद के थाना बौंडी क्षेत्र में चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान घ्25 हजार का इनामी एवं हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।पुलिस के अनुसार, बीती रात 24/25 जून 2026 को क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम और थाना बौंडी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि खैरा बाजार से आगे कुदई मार्ग पर कुछ अपराधी चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि बदमाशों ने पुलिस पर

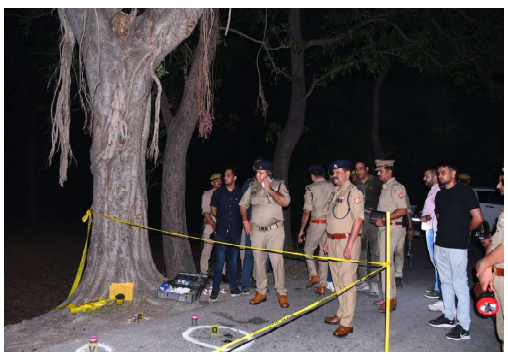

जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल की पहचान असलम पुत्र नदीम निवासी ग्राम सारी मेहराबाद, थाना रामगांव के रूप में हुई है।पुलिस ने घायल अभियुक्त के कब्जे से घ्16,000 नकद,दो जोड़ी पायल (सफेद धातु),आठ बिछिया (सफेद धातु),एक देसी तमंचा .315 बोर,दो जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक असलम थाना रामगांव का हिस्ट्रीशीटर है और उसके विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना फखरपुर से गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित था तथा उस पर घ्25 हजार का इनाम घोषित था। कई चोरी की घटनाओं में भी उसकी तलाश की जा रही थी। मुठभेड़ के दौरान असलम के दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार उनमें से एक की पहचान फिरोज निवासी थाना बौंडी क्षेत्र के रूप में हुई है। उनकी गिरतारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मानव कंकाल बरामदगी हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरतार, घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। बीजपुर थाना क्षेत्र में मानव कंकाल बरामदगी से जुड़े चर्चित हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने मामले के मुख्य वांछित आरोपी को गिरतार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में बीजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाला भैया उर्फ लाले पनिका (44) निवासी सिसवा झापर, थाना बभनी को चेतवा मोड़ के पास से गिरतार किया।पुलिस के अनुसार, 30 मई 2026 को मोटकी मुकुट पहाड़ी धरतीडाड़ क्षेत्र में एक मानव कंकाल बरामद हुआ था। मामले में थाना बीजपुर पर हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की संलिप्तता सामने आई थी।गिरतारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि गिरतारी की कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप की गई है।आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आगे भी जारी है।

श्रीराम मंदिर चोरी प्रकरण में कांग्रेस का प्रदर्शन

जौनपुर। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और चोरी के आरोपों को लेकर जौनपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन राज्यपाल के नाम प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मंदिर ट्रस्ट से जुड़े मामलों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई। वक्ताओं का कहना था कि श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं, इसलिए मंदिर से जुड़े किसी भी वित्तीय या प्रशासनिक विवाद की पारदर्शी जांच आवश्यक है ताकि लोगों के मन में उठ रहे सवालों का समाधान हो सके । कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने कहा कि मंदिर से जुड़े मामलों में यदि किसी प्रकार की अनियमितता के आरोप सामने आए हैं तो उनकी विधिसम्मत जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की जांच न्यायिक निगरानी में कराई जाए और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि धार्मिक संस्थानों की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने आरोपों की स्वतंत्र जांच और तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा सिंह सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने तहसील तरबगंज अंतर्गत सकरौर–भिखारीपुर तटबंध तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों सनौली मोहम्मदपुर,गोडियन पुरवा एवं ऐलीपरसौली का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षा एवं बचाव तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डीएम ने तटबंधों की स्थिति,संवेदनशील स्थलों,कटान प्रभावित क्षेत्रों तथा बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम से पूर्व सभी आवश्यक कार्यों को

प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए,ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में जनधन की हानि को रोका जा सके।

उन्होंने तटबंधों की नियमित निगरानी करने तथा कमजोर स्थलों को चिन्हित कर तत्काल आवश्यक मरम्मत एवं सु.ढ़ीकरण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाढ़ चौकियों की स्थापना, राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्धता,नावों की व्यवस्था,आपदा प्रबंधन उपकरणों की स्थिति तथा आपातकालीन कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए तथा समय–समय पर आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही राहत शिविरोंपेयजल, खाद्यान्न एवं चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था, तथा पशुओं के लिए सभी व्यवस्थायें भी पहले से सुनिश्चित कर ली जाए।डीएम ने कहा कि जनसुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।सभी अधिकारी निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, उपजिलाधिकारी तरबगंज प्रदीप कुमार,एक्सईएन बाढ़ खण्ड जय सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 1.42 क्विंटल गांजा बरामद; दो गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। चोपन पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई

करते हुए अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरतार कर उनके कब्जे से करीब 1 क्विंटल 42 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा, दो वाहन, फर्जी नंबर प्लेट, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। 24 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि दो कारों में भारी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर चोपन की ओर आ रहे हैं। सूचना पर चोपन पुलिस, डाला चौकी पुलिस और एसओजी टीम ने चोपन बैरियर पर सघन वाहन चेकिंग शुरू की।चेकिंग के दौरान एक इनोवा और एक स्विट कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर सलखन स्थित गांधी आश्रम के सामने दोनों वाहनों को रोक लिया। तलाशी में पांच बोरियों में रखा 1.42 क्विंटल गांजा बरामद हुआ।पुलिस ने मौके से दो अभियुक्तों को गिरतार कर लिया, जबकि एक अन्य आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में गिरतार तस्करों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर रायबरेली समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करते थे। इसके बदले उन्हें मोटी रकम मिलती थी।मामले में एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बरामद सामान को कब्जे में लेते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार आरोपी की गिरतारी के प्रयास में जुटी हुई है।

वाटर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

जौनपुर। जिले के सुरेरी थाना क्षेत्र के कोचारी गांव के समीप तीन जिलों की सीमा पर स्थित एक वाटर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्यटकों में चिंता बढ़ती जा रही है। जौनपुर, वाराणसी और भदोही समेत आसपास के जिलों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा और गोपनीयता से जुड़े मुद्दों ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।पर्यटकों के अनुसार वाटर पार्क घने बबूल के जंगलों और नदी के किनारे स्थित है। मुख्य मार्ग से पार्क तक पहुंचने वाला करीब पांच से छह किलोमीटर लंबा रास्ता काफी सुनसान रहता है। शाम ढलने के बाद इस मार्ग पर आवागमन और भी कम हो जाता है। लोगों का कहना है कि रास्ते में न तो कोई पुलिस चौकी है जिससे पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं देती है। ऐसे में विशेषकर महिलाओं और परिवार के साथ आने वाले पर्यटकों को असुरक्षा की भावना का सामना करना पड़ता है। कुछ महिला पर्यटकों ने चेंजिंग रूम की गोपनीयता को लेकर गंभीर आशंका जताई। उनका कहना था कि मोबाइल कैमरे से जांच के दौरान चेंजिंग रूम और दीवारों के आसपास कुछ संदिग्ध उपकरण दिखाई दिए, जिससे उन्हें गुप्त कैमरे लगे होने की आशंका हुई। पर्यटकों का कहना है कि यदि इस प्रकार की आशंकाएं सही साबित होती हैं तो यह महिलाओं की निजता और सुरक्षा से जुड़ा बेहद गंभीर विषय है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।पर्यटकों ने प्रशासन से मांग की है कि वाटर पार्क परिसर, विशेषकर चेंजिंग रूम और अन्य संवेदनशील स्थानों की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही पार्क तक जाने वाले सुनसान मार्ग पर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग, सीसीटीवी निगरानी और आपातकालीन सहायता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यहां आने वाले लोग बिना किसी भय के मनोरंजन कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कॉकटेल 2 का दुनियाभर में गदर, रिलीज के 5 दिन में जड़ दिया शतक, ये रिकॉर्ड भी बनाया

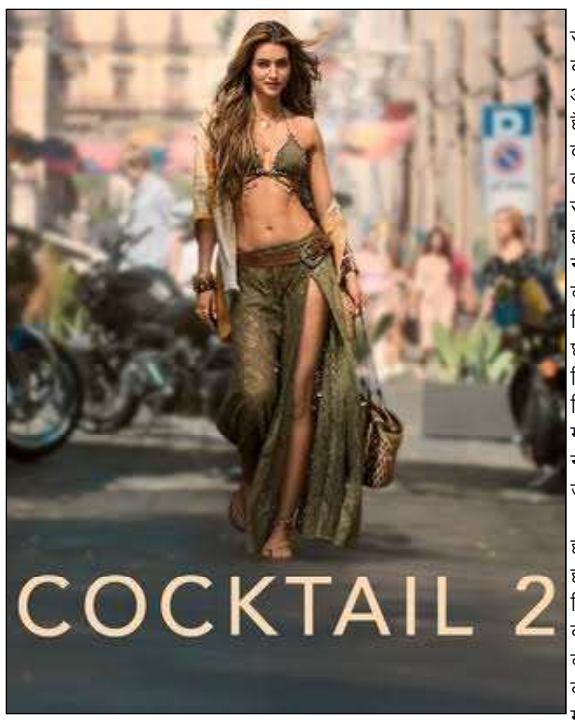

मैडॉक फिल्म्स की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिस धाक जमाए हुए है. शानदार ओपनिंग वीकेंड के बाद, फिल्म ने वीकडेज में भी अपनी रफ्तार बनाए रखी है. हालांकि इसकी कमाई में नॉन हॉलीडे पर मंदी भी देखी जा रही है लेकिन फिर भी ये हर दिन करोड़ों छाप रही है. रिलीज 5वें दिन तो शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर इस फिल्म ने दुनियाभर में शतक जड़ दिया.

सिनेमाघरों में रिलीज होने के सिर्फ 5 दिनों में ही शाहिद कपूर स्टारर फिल्म ने वर्ल्डवाइड कमाल कर दिखाया है. दरअसल ये फिल्म 100 करोड़ के पार हो गई है. मानव मंगलानी द्वारा शेयर की गई पोस्ट के मुताबिक कॉकटेल 2 ने रिलीज के 5 दिनों में दुनियाभर में 106.61 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है. शानदार ओपनिंग वीकेंड और दमदार सोमवार के बाद, कॉकटेल 2 ने मंगलवार को भी जबरदस्त परफॉर्म किया और इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 106.61 करोड़ तक पहुंच गई. दर्शकों का फिल्म के प्रति बढ़ता प्यार इसे ब्लॉकबस्टर बनाता है और इसकी रफ्तार पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है.

पोस्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन वर्ल्डवाइड 24 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन इसने 29.4 करोड़ कमाए. तीसरे दिन 32.19 करोड़, चौथे दिन 10 करोड़ और 5वें दिन 11.01 करोड़ का कलेक्शन किया. शाहिद कपूर की फिल्म दुनिया भर में पांच दिनों में 106.61 करोड़ की कमाई करने के बाद साल 2026 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली टॉप 5 हिंदी फिल्मों की लिस्ट में ऑफिशियली शामिल हो गई है.

थलाइवर 173 का टाइटल रिवील, कमल हासन की फिल्म धर्मन: द डेडली डॉक्टर से रजनीकांत का फर्स्ट लुक आउट, डॉक्टर के कपड़े और पैरों तले लाश

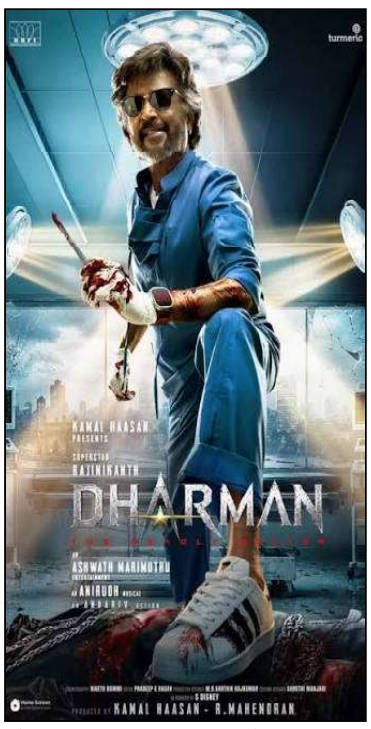

तमिल सिनेमा की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर धमाल मचाने आ रही है. फिल्म मेकर ने थलाइवर 173 के टाइटल का एलान कर दिया है. थलाइवर 173 को धर्मनरू द डेडली डॉक्टर टाइटल दिया गया है. साथ ही फिल्म के हीरो रजनीकांत का भी फर्स्ट लुक सामने आ चुका है. रजनीकांत फिल्म से आए अपने फर्स्ट लुक में बहुत ही स्वैग में दिख रहे हैं. फिलहाल यह खुलासा नहीं किया गया है कि फिल्म कब तक रिलीज होगी.

फिल्म धर्मन से आए फर्स्ट लुक में रजनीकांत का अलग ही स्वैग देखने के मिल रहा है. वह ब्लू कॉस्ट्यूम हैं और उनके हाथ खून से सने हैं. इनके पैरों के नीचे एक गुंडा जख्मी पड़ा है. रजनीकांत ने उसकी छाती पर मुस्कुराते हुए पैर रखा हुआ है. थलाइवा ने सर्जिकल ग्लव्स पहने हुए हैं और वह एक ऑपरेशन थिएटर में दिख रहे हैं. बता दें, फिल्म का निर्देशन अश्वत्थ मरिमुथु कर रहे हैं और इससे पहले फिल्म का निर्देशन करने के लिए सुंदर का नाम आ रहा था. अश्वत्थ मरिमुथु साल 2025 में रिलीज हुई ड्रैगन और ओह माई कडावलु से पॉपुलर हैं. इससे पहले 5 नवंबर 2025 को कमल हसन और मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर आधिकारिक एलान किया था कि सुपरस्टार रजनीकांत आगामी फिल्म थलाइवर 173 में अभिनय करेंगे. कमल हासन और रजनीकांत की एक तस्वीर के साथ इसकी आधिकारिक एलान किया गया था. यह फिल्म 2027 में पोंगल के मौके पर रिलीज होने जा रही है होगी. अपने प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान को एक्स हैंडल पर साझा करते हुए कमल हासन ने एक तमिल कविता लिखी थी, जिसका अनुवाद इस प्रकार है, हवा की तरह, बारिश की तरह, नदी की तरह, हम बहेंगे, चलो बारिश करें, आनंद लें, जीएं. सुपरस्टार रजनीकांत सुंदर सी की निर्देशित और राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल की निर्मित फिल्म में अभिनय करेंगे. मेकर्स की ओर से एक बयान भी जारी किया था, जिसमें कहा गया था, सुपरस्टार रजनीकांत कमल हासन की राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल बैनर तले बनी फिल्म थलाइवर 173 में मुख्य भूमिका में नजर आए . उनके प्रोडक्शन हाउस के बयान में कहा गया था, सुपरस्टार रजनीकांत, कमल हासन के राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल बैनर तले थलाइवर 173 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं.

बेहद हसीन दिखती हैं ईठा एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में लगती हैं कमाल

बॉलीवुड की जानी–मानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईठा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. इस बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म में श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका

निभा रही हैं. श्रद्धा अपनी फिल्मों के साथ–साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं. फिल्म ईठा का धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. श्रद्धा कपूर ने एक बार फिर अपनी शानदार एक्टिंग से सबको हैरान कर दिया है. फिल्मों में शानदार एक्टिंग के साथ–साथ श्रद्धा कपूर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज से भी फैंस का दिल जीतती रहती हैं. उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है. फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं. श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं. वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल, श्रद्धा हर स्टाइल को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं. श्रद्धा की सादगी और चार्म ही उन्हें बॉलीवुड की बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है. उनका फैशन सेंस भी काफी यूनिक है. वो ट्रेंड्स को फॉलो करने के साथ–साथ अपना अलग स्टाइल स्टेटमेंट भी बनाती हैं. श्रद्धा अपनी नेचुरल ब्यूटी को लेकर भी फैंस के बीच चर्चा में रहती हैं. उनकी खूबसूरत स्माइल और पॉजिटिव पर्सनैलिटी हर आउटफिट में झलकती है. चाहे श्रद्धा कपूर सिंपल कैजुअल लुक में हों या फिर किसी ग्लैमरस अवतार में, श्रद्धा अपनी सादगी और एलिगेंस से सबका ध्यान खींच लेती हैं. श्रद्धा का मेकअप स्टाइल बेहद सॉफ्ट और नैचुरल रहता है, जो उनकी फीचर्स को और ज्यादा निखार देता है. वो अक्सर स्मोकी आईज, सॉफ्ट लिप्स और हल्के ग्लोइंग मेकअप के साथ नजर आती हैं. श्रद्धा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 93.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनके हर नए लुक का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं. श्रद्धा भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और स्टाइलिश लुक्स शेयर करती रहती हैं. ईठा की बात करें तो इस फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर हैं. वहीं, फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ईठा में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा भी लीड रोल में हैं. इसके अलावा मोहम्मद जीशान अय्यूब भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

जल्द खत्म होगा इंतजार, सामने आई मिर्जापुर: द मूवी की टीजर रिलीज डेट, पोस्टर ने बढ़ाई सिनेप्रेमियों की हलचल

मिर्जापुर वाला स्टोरी कंटेंट एक बार भौकाल मचाने वाला है, क्योंकि मिर्जापुर द मूवी ने दर्शकों के बीच में जबरदस्त माहौल सेट कर दिया है. अब मिर्जापुर द मूवी की एक झलक देखने के तैयार बैठे दर्शकों के लिए मेकर्स ने बड़ा सरप्राइज छोड़ा है. दरअसल, टीजर लॉन्च से पहले, मेकर्स ने एक शानदार नया पोस्टर जारी किया है, जिसने फैन्स को एक बार फिर मिर्जापुर की दुनिया की एक झलक दिखाई है.

साल की सबसे मोस्ट–अवेडेट फिल्मों में से एक होने के नाते, इस फ्रेंचाइजी को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है, और टीजर की अनाउंसमेंट ने इस बज (चर्चा) को और ज्यादा बढ़ा दिया है. बता दें, आज 25 जून को मिर्जापुर द मूवी का टीजर रिलीज होने जा रहा है, जिसने अभी से दर्शकों की बेचैनी को बढ़ा दिया है, क्योंकि पोस्ट की टैगलाइन ने दर्शकों के माइंड को ट्रिगर किया है, जिसमें लिखा है गद्दी है तो हम है. जैसा कि सभी जानते हैं कि मिर्जापुर फ्रेंचाइजी का पूरी स्टोरी कंटेंट राजनीतिक गद्दी पर भी टिका है.

इस पोस्टर के सेंटर में वही आइकॉनिक गद्दी दिखाई दे रही है जिसके दोनों तरफ बंदूकें रखी हुई हैं, जो तुरंत उस पावर स्ट्रगल (सत्ता की जंग), दुश्मनी और ड्रामे की यादों को ताजा कर देती है जिसने मिर्जापुर को एक सनसनी बना दिया था.

भले ही यह पोस्टर फिल्म की कहानी को छुपाकर रखता है, लेकिन यह याद दिलाता है कि मिर्जापुर की दुनिया एक बहुत बड़े पैमाने पर वापसी के लिए तैयार है. कल आने वाले टीजर के साथ, फैन्स को एक खास ट्रीट मिलने वाली है क्योंकि उन्हें फिल्म की पहली झलक देखने को मिलेगी.

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंटेड, मिर्जापुररू द मूवी गुरमीत सिंह द्वारा डायरेक्टेड, पुनीत कृष्णा द्वारा रिटेन और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस्ड है.

यह फिल्म कासिम जगमागिया और विशाल रामचंद्रनी द्वारा को–प्रोड्यूस्ड है. मिर्जापुररू द मूवी में पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित) और दिव्येंदु शर्मा (मुन्ना भैया) जैसे लोकप्रिय सितारों के साथ–साथ जितेंद्र कुमार और रवि किशन भी प्रमुख भूमिकाओं में शामिल हैं. 4 सितंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है.

वर्चुअल मीटिंग्स के दौरान इन बातों का रखें ध्यान, नहीं होगी कोई गलती

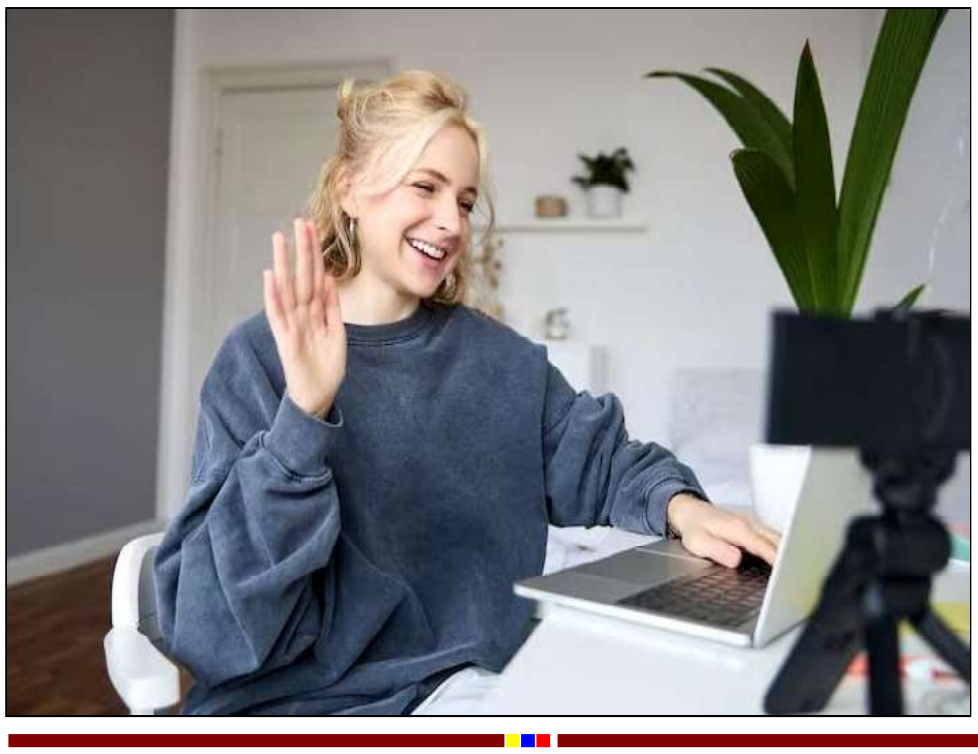

वर्चुअल मीटिंग्स अब आम हो गई हैं। चाहे ऑफिस की हो या अन्य किसी तरह की, इनका सही तरीके से संचालन करना जरूरी है ताकि पेशेवर छवि बनी रहे। सही कपड़े, बैकग्राउंड, समय पर ध्यान देना और तकनीकी तैयारी रखना अहम है। इसके अलावा ध्यान रखना चाहिए कि आप बोलते समय म्यूट बटन का उपयोग करें और ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें। इस लेख में हम आपको वर्चुअल मीटिंग्स से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताने जा रहे हैं।

सही कपड़े पहनें: वर्चुअल मीटिंग्स के लिए सही कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। भले ही आप घर पर हों, पेशेवर दिखना अहम है। औपचारिक कपड़े पहनें ताकि आपकी पेशेवर छवि बनी रहे। अगर आप ऑफिस के लिए औपचारिक कपड़े पहनते हैं तो वही कपड़े वर्चुअल मीटिंग्स के लिए भी अच्छे रहते हैं। इससे आप खुद को अधिक पेशेवर महसूस करेंगे और आपकी छवि भी बेहतर बनेगी। उचित कपड़े आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और मीटिंग का माहौल भी गंभीर बनाते हैं।

बैकग्राउंड का ध्यान रखें: मीटिंग के दौरान बैकग्राउंड का ध्यान रखना भी जरूरी है। साफ–सुथरा और व्यवस्थित बैकग्राउंड रखें। अगर संभव हो तो दीवार पर कोई बड़ा चित्र न लगाएं क्योंकि इससे ध्यान भटक सकता है। इसके अलावा किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचें। एक साधारण और पेशेवर बैकग्राउंड सबसे अच्छा विकल्प होता है। इससे न केवल आपकी पेशेवर छवि बेहतर बनेगी, बल्कि सामने वाले को भी आपके माहौल का सही अंदाजा मिलेगा।

समय पर उपस्थित रहें: वर्चुअल मीटिंग्स में समय पर आना बहुत जरूरी है। समय पर आने से आपकी पेशेवर छवि बेहतर बनी रहती है और आप अपने साथियों का सम्मान करते हैं। अगर किसी कारणवश आप लेट हो रहे हैं तो पहले से ही संदेश कर दें कि आप थोड़ी देर से आएंगे। इससे सामने वाले को आपकी गंभीरता का पता चलेगा और वे आपकी स्थिति को समझेंगे। हमेशा समय का पालन करना एक अच्छा पेशेवर शिष्टाचार है।

म्यूट बटन का उपयोग करें

जब आप बोलते नहीं हों तो म्यूट बटन का उपयोग करना न भूलें। इससे बैकग्राउंड शोर से बचा जा सकता है और आपकी आवाज साफ–साफ सुनाई देगी। अगर आप किसी कारणवश थोड़ी देर के लिए बोलने वाले हैं तो पहले म्यूट बटन अनम्यूट करें और फिर बोलें। इससे न केवल आपकी पेशेवर छवि बेहतर बनी रहती है बल्कि आप अपनी बात भी अच्छे से रख पाते हैं। सही तरीके से म्यूट बटन का उपयोग करना एक अच्छा पेशेवर शिष्टाचार है।

ध्यान केंद्रित रखें: मीटिंग के दौरान ध्यान केंद्रित रखना बहुत जरूरी है ताकि आप पूरी जानकारी प्राप्त कर सकें और सही तरीके से जवाब दे सकें। अगर आपका ध्यान कहीं और जाएगा तो आप मीटिंग की अहमियत नहीं समझ पाएंगे। अपने फोन या अन्य उपकरण को साइलेंट मोड पर रखें ताकि कोई भी विचलित न हो। इस तरह आप वर्चुअल मीटिंग्स को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं और अपनी पेशेवर छवि को बनाए रख सकते हैं।